दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018
खबरें सड़क से संसद तक
वर्ष: 16 | अंक 312 | सीकर, गुरूवार 08 जनवरी 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

पूरा शहर पाक-साफ, सिर्फ एक दुकानदार दोषी ! वाह नगर परिषद वाह !!

कॉलेज की युवतियां बोगस ग्राहक बनी, दो टीमें उतरी, चाइनीज मांझा अभियान या दिखावा...?

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। धातु मिश्रित व चाइनीज मांझे के खिलाफ नगर परिषद झुंझुनू द्वारा चलाया गया विशेष अभियान अब खुद सवालों के घेरे में है। जिला कलेक्टर डॉक्टर अरुण गर्ग के आदेशों की पालना का दावा, दो-दो टीमों की तैनाती, महिला कार्मिकों की मौजूदगी और कॉलेज की युवतियों को बोगस ग्राहक बनाकर बाजारों में उतारने जैसी रणनीति के बावजूद कार्रवाई का नतीजा सिर्फ एक दुकानदार तक सीमित रह गया। नगर परिषद की टीमें नेहरू मार्केट, फुटला बाजार और शहीदान चौक सहित प्रमुख बाजारों में भेजी गई। अभियान को प्रभावी दिखाने के लिए कॉलेज की युवतियों ने पतंग खरीदने के बहाने दुकानदारों से चाइनीज मांझा मांगा ताकि अवैध बिक्री का खुलासा हो सके। इसके बावजूद पूरे शहर में कार्रवाई के दौरान कहीं और कोई दुकानदार दोषी नहीं पाया गया। कार्रवाई के नाम पर शहीदान चौक पर हारून पुत्र निजामुद्दीन से 19 चरखी धातु निर्मित मांझा जब्त कर नगर परिषद स्टोर में जमा करवा दिया गया और इसी को 3 घण्टे चले अभियान की उपलब्धि मान लिया गया।

दुकानदार गायब, गलियों में मांझा

दुकानदार गायब मिले और गलियों में फैला हुआ है चाइनीज मांझा। यही वह बिंदु है जहां आमजन और सामाजिक संगठनों के सवाल तीखे हो जाते हैं। जब शहर की गली-गली में चाइनीज मांझा खुलेआम बिकता और इस्तेमाल होता दिखाई देता है जब पतंगबाजी के मौसम में आए दिन पक्षियों के कटने और दुपहिया वाहन चालकों के घायल होने की घटनाएं सामने आती हैं तो फिर इतनी सघन कार्रवाई के बाद भी बाकी दुकानदार कहां गायब हो गए...?

क्या कार्रवाई से पहले सूचना पहुंच गई...?

क्या यह अभियान पहले से तय किसी एक बलि के बकरे तक ही सीमित था ? या फिर यह पूरी कवायद महज खानापूर्ति और औपचारिकता बनकर रह गई ? कॉलेज की युवतियों को शामिल कर नगर परिषद ने गंभीरता का संदेश देने की कोशिश जरूर की लेकिन हकीकत यह है कि नतीजों ने इस सख्ती पर ही सवालिया निशान लगा दिया है। आम नागरिकों का कहना है कि यदि बेचने वाला सिर्फ एक ही है तो फिर यह जानलेवा चाइनीज मांझा पूरे शहर में आखिर आ कहां से रहा है ? अब जरूरत दिखावे की नहीं बल्कि लगातार, निष्पक्ष और जमीनी कार्रवाई की है। वरना हर बार की तरह यह भी माना जाएगा कि चाइनीज मांझे के खिलाफ कार्रवाई नहीं सिर्फ उसकी रस्म अदायगी की गई।

हम तैयार, दुकानदार गायब : अली हसन

नगर परिषद आयुक्त देवीलाल बोचल्या को फोन किया गया लेकिन उनका फोन लग नहीं पाया। स्वच्छता निरीक्षक अली हसन ने बताया कि हम भरपूर कोशिश कर रहे हैं, चाइनीज मांझा बेचने वालों को पकड़ने की। लेकिन जैसे ही टीम आती है, पता नहीं दुकानदार कहां गायब हो जाते हैं। आज नगर परिषद की टीम में महिला कर्मियों के साथ-साथ कॉलेज की युवतियां भी शामिल थी।

अली हसन,
स्वच्छता निरीक्षक नगर परिषद झुंझुनू।

चाइनीज डोर से बच्चे चोटिल हो रहे हैं : डॉ भाम्बू

वर्तमान में पतंगबाजी का शौक युवाओं के साथ-साथ बच्चों में भी तेजी से बढ़ रहा है, जिसका खामियाजा मासूमों को भुगतना पड़ रहा है। प्रतिदिन अस्पताल में ऐसे बच्चे पहुंच रहे हैं जिनकी उंगलियों पर गहरे कट के निशान हैं तो कई मामलों में गले पर गंभीर चोटें भी सामने आ रही हैं। पीएमओ ने प्रशासन से धातु मिश्रित चाइनीज मांझे की पूर्णतया बिक्री पर सख्त रोक लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि बच्चों सहित आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

डॉ जितेन्द्र भाम्बू, पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ बीडीके हॉस्पिटल, झुंझुनू।

पालिकाध्यक्ष के ससुर का नगरपालिका भूमि अतिक्रमण मामला

एक बार फिर चलेगा बुलडोजर

नगरपालिका का बोर्ड लगाने के आदेश, फर्जी पट्टे जांच में निकले बेनकाब

निसं

तारानगर (नवयत्न)। कस्बे के वार्ड नंबर 31, धनराज कुएं के पास साहवा रोड स्थित नगर पालिका भूमि पर तारानगर नगरपालिका अध्यक्ष के ससुर की ओर से किए गए अतिक्रमण को लेकर एक बार फिर प्रशासन सख्त कार्रवाई की तैयारी में है। वर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष प्रियंका बानो के ससुर मुंशी खां पुत्र अब्दुल्ला खान द्वारा किए गए अस्थायी कब्जे पर अब दोबारा बुलडोजर चलने की संभावना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2017 में नगर पालिका द्वारा उक्त भूमि से अतिक्रमण हटाया गया था। इसके बाद मुंशी खां पुत्र अब्दुल्ला खान ने न्यायालय तारानगर में परिवाद दायर किया। लंबी सुनवाई और बहस के बाद भी वह अपना कब्जा न्यायालय में सिद्ध नहीं कर सका। न्यायालय ने अगस्त 2024 में दावा खारिज करते हुए स्पष्ट रूप से कब्जा खाली करने के आदेश जारी किए। बताया जा रहा है कि दावा खारिज होने की आशंका के चलते इसी भूमि के अपने ही परिवारजनों के नाम 69 के नियमों को ताक पर रखकर फर्जी व कूट-रचित दस्तावेजों के आधार पर पट्टे तैयार करवा लिए गए। इस गंभीर मामले को लेकर पार्षद त्रिलोक रैगर व अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री कार्यालय सीएमओ में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उपखंड अधिकारी, तारानगर को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया। एसडीएम द्वारा गठित टीम ने जब मौके पर जांच की तो सभी पट्टे फर्जी पाए गए, जिससे पूरे प्रकरण की पोल खुल गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर अब नगर पालिका के सक्षम अधिकारी अजय प्रताप ने अतिक्रमण हटाने एवं मौके पर नगर पालिका का बोर्ड लगाने के आदेश जारी कर दिए हैं। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार शीघ्र ही कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। यह मामला न केवल अतिक्रमण का बल्कि न्यायालय के आदेशों की अवहेलना और फर्जी दस्तावेजों के जरिए सरकारी भूमि हड़पने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। कार्रवाई को लेकर स्थानीय जनता में चर्चाओं का दौर तेज है और सभी की निगाहें अब प्रशासन की अगली कार्यवाही पर टिकी हुई हैं।

क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू

उद्घाटन मैच में पिचानवां ने हीरवा को 57 रनों से दी शिकस्त

चिड़ावा (नवयत्न)। हीरवा गांव स्थित राजकीय विद्यालय के खेल मैदान में नवयुवक मंडल के सौजन्य से क्रिकेट प्रतियोगिता का शानदार शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि पंचायत समिति सदस्य एवं भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष वर्षा सोमरा तथा विशिष्ट अतिथि चिड़ावा भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर ने किया। मुख्य अतिथि वर्षा सोमरा ने खिलाड़ियों से कहा कि खेल न केवल आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं बल्कि वर्तमान समय में खेल एक बेहतरीन कॅरियर विकल्प भी हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच मेजबान हीरवा और पिचानवां की टीमों के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पिचानवां ने निर्धारित 10 ओवरों में 109 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हीरवा की टीम मात्र 52 रनों पर सिमट गई।

पिचानवां की टीम ने उद्घाटन मैच में 57 रनों से एकतरफा जीत दर्ज की। मंडल प्रतिनिधि जितेंद्र झाझड़िया ने बताया कि इस टूर्नामेंट में कुल 64 टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता में पुरस्कारों की घोषणा गई है। विजेता टीम को 41,000 रुपए नकद और ट्रॉफी। उप-विजेता टीम को 21,000 रुपए नकद और ट्रॉफी दी जाएगी। व्यक्तिगत पुरस्कार में मैन ऑफ द सीरीज को 5,100 रुपए, जबकि बेस्ट बॉलर और बेस्ट बल्लेबाज को 2,100-2,100 रुपए प्रदान किए जाएंगे। कार्यकक्रम का संचालन बलवीर सिंह शेखावत ने किया।

आचार्य प्रसन्न सागर महाराज का 18 को होगा भव्य मंगल प्रवेश

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति के बैनर तले उत्कृष्ट सिंहनिष्क्रिडत व्रत एवं मौन साधना के साथ हजारों उपवास करने वाले अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में जयपुर में 13 साल बाद 25 जनवरी से 01 फरवरी 2026 तक विश्व कल्याण की भावना के साथ आठ दिवसीय भगवत जिनेन्द्र महा अर्चना महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ एवं विवाह अणुव्रत संस्कार महोत्सव का विशाल आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के लिए समिति अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन के नेतृत्व में हुई तैयारी बैठक में बहुरंगीय फ्लेक्स का विमोचन किया गया। अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन ने बताया कि आचार्य ससंघ का तरुण सागरम तीर्थ से 3 जनवरी को जयपुर के लिए मंगल विहार शुरु हो गया है। जयपुर से सूर्य प्रकाश छाबड़ा के नेतृत्व में 31 सदस्यीय टीम आचार्य संघ के पद विहार के लिए रोजाना जा रही है। आचार्य ससंघ गुडगा, नीमराना, बहरोड, कोटपूतली, शाहपुरा, मनोहरपुरा, पावटा, अचरोल, आमेर होते हुए 17 जनवरी को जयपुर सीमा में पहुचेगे। रविवार 18 जनवरी को शहर में विशाल जुलूस के साथ भव्य मंगल प्रवेश होगा। जुलूस अग्रवाल कालेज से रवाना जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार, चौडा रास्ता होते हुए रामनिवास बाग में यूनियन फुटबॉल क्लब ग्राऊंड पहुंचकर धर्म सभा में परिवर्तित हो जाएगा। आचार्य ससंघ 18 जनवरी से 24 जनवरी तक विभिन्न मंदिरों में प्रवास करते हुए मानसरोवर पहुचेगे। जहा वी टी रोड पर शिप्रा पथ पुलिस थाने के सामने स्थित राजस्थान आवासन मंडल जयपुर के ग्राऊंड में 25 जनवरी से 01 फरवरी 2026 तक आठ दिवसीय भगवत जिनेन्द्र महा अर्चना महोत्सव श्री श्री 1008 चारित्र शुद्धि महामण्डल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ एवं विवाह अणुव्रत संस्कार महोत्सव विशाल स्तर पर किया जाएगा। इस आयोजन में भगवान महावीर का 2552 वां निर्वाणोत्सव वर्ष के उपलक्ष में 2552 जोड़े पूजा विधान व अनुष्ठान कार्यक्रम में शामिल होगे। मोकार महामंत्र के तीन बार सामूहिक उच्चारण से शुरु हुई तैयारी बैठक में आहार-विहार, मंगल प्रवेश जुलूस, प्रवास, आठ दिवसीय महोत्सव के आयोजन की तैयारियों सहित विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई। शहर के 90 मंदिरों एवं कालोनियों के माध्यम से विधान पूजा में बैठने वाले इन्द्र-इन्द्राणियो का रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ कर दिया गया है। रजिस्ट्रेशन करने के लिए प्रत्येक मंदिर में 2 प्रभारी बनाए गए हैं। 15 जनवरी रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि रखी गई है। अन्त में महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

परिवादों के निस्तारण के लिए की जा रही है कार्यवाही : खींवसर

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में बुधवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर द्वारा कार्यकर्ता सुनवाई आयोजित की गई। इस कार्यकर्ता सुनवाई में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याएं, सुझाव एवं परिवाद मंत्री के समक्ष रखे। कार्यकर्ता सुनवाई के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया कि प्राप्त कुल परिवादों में से लगभग 66 प्रतिशत मामले चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित रहे जबकि शेष परिवाद अन्य विभागों से जुड़े थे। अन्य विभागों से संबंधित परिवादों को संबंधित मंत्रियों को भेज दिया गया है ताकि उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि किसी भी कार्यकर्ता की समस्या लंबित न रहे। मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया कि सुनवाई में करीब 150 परिवाद प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश तबादलों से संबंधित थे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सुनवाई जैसे कार्यक्रम सरकार और संगठन के बीच सेतु का कार्य करते हैं और जमीनी स्तर की वास्तविक समस्याओं को सामने लाते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार कार्यकर्ताओं की भूमिका को सर्वोपरि मानते हुए ऐसी सुनवाइयों के माध्यम से पारदर्शी एवं संवेदनशील प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं संगठन स्तर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ द्वारा कार्यकर्ताओं की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने और संगठन को मजबूत करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। कार्यकर्ता सुनवाई में भाजपा महामंत्री भूपेंद्र सैनी, प्रदेश मंत्री नारायण मीणा भी उपस्थित रहे।

फुड सेफ्टी टीम ने सीज की 15 हजार किलो संदिग्ध दाल

जयपुर (नवयत्न)। प्रदेश में विभाग द्वारा चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की टीम ने बुधवार को कानोता स्थित हीरावाला इंडस्ट्रियल एरिया में दाल फैक्ट्री पर कार्यवाही करते हुए 15000 किलो दाल सीज की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि टीम ने हीरावाला इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मैसर्स के एम इंडस्ट्रीज पर कार्यवाही की जिसमें दाल की गुणवत्ता में कमी एवं पैकिंग कट्टों पर आवश्यक सूचनाएं अंकित नहीं होने से दाल के 30 किलो वजनी 521 सील्ड कट्टे सीज किए जिनमें कुल 15 हजार 630 किलो दाल सीज की। मौके से हरी मूंग दाल छिलका एवं मूंग मोगर के नमूने लिए गए।

कोबरी-सार

रेलवे स्टेशन पर 100 रजाइयों का वितरण

निसं

सरदारशहर (नवयत्न)। श्री लोकरंजन परिषद द्वारा भामाशाहों के सहयोग से रेलवे स्टेशन परिसर में असहाय एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए रजाई वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत दिल्ली प्रवासी एवं सीए दिलीप सोनगरा के सहयोग से कुल 100 रजाइयों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में ठंड से जूझ रहे गरीब, बेसहारा एवं जरूरतमंद लोगों को रजाइयां प्रदान कर उन्हें राहत पहुंचाई गई। लोकरंजन परिषद के उपाध्यक्ष शोभाकांत स्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि परिषद द्वारा हर वर्ष कड़ाके की ठंड के मौसम में भामाशाहों के सहयोग से इस प्रकार के सेवा कार्य नियमित रूप से किए जाते हैं ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति ठंड के कारण पीड़ित न हो। उन्होंने बताया कि इस साल 1100 रजाइयों का वितरण लोकरंजन परिषद् के द्वारा किया जा चुका है और संस्था के द्वारा गर्मियों के मौसम में निःशुल्क ठंडे पानी की व्यवस्था और मरीजों के लिए हर समय ऑक्सीजन के सिलेंडर संस्था में उपलब रहते है। उन्होंने भामाशाहों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सक्षम वर्ग का इस तरह आगे आकर सहयोग करना मानवता की सच्ची मिसाल है। परिषद का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है और भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर जारी रहेंगे। रजाई वितरण कार्यक्रम के दौरान सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही और जरूरतमंदों के चेहरों पर राहत व संतोष देखने को मिला। कार्यक्रम में शंभुदयाल पारीक, शंकर प्रेमाणि, रामलाल सुथार, अभिषेक पारीक, ओमप्रकाश तिवाड़ी, गजानंद पांडिया सहित संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

किसानों का तहसील स्तरीय सम्मेलन आयोजित

निसं

लाडनूं (नवयत्न)। अखिल भारतीय किसान सभा का सातवां तहसील स्तरीय सम्मेलन किसान छात्रावास में आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता किसान मोर्चा अध्यक्ष पन्नालाल भामू ने की। सम्मेलन में कॉमरेड मदनलाल बेरा, चम्पालाल मेघवाल, कॉमरेड भंवरलाल तथा जिलाध्यक्ष भागीरथ नेतड़, अयूब खान मोयल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में झंडारोहण तहसील अध्यक्ष भंवरलाल सारण द्वारा किया गया। जिलाध्यक्ष भागीरथ नेतड ने कहा कि किसान सभा ने हमेशा किसानों-मजदूरों के लिए संघर्ष किया है तथा किसानों को उनका हक दिलवाया है। जिलाध्यक्ष ने संघठन व ग्राम कमेटियों को मजबूत करने का भी आहवान किया। उन्होंने किसान व मजदूर को बचाने के लिए किसानों की एकता व संघर्ष को तेज करने की आवश्यकता बताई। सचिव कॉमरेड मदनलाल ने पिछले तीन वर्षों की रिपोर्ट व हिसाब-किताब पेश किया।

नई कार्यकारणी का हुआ गठन

सचिव मदनलाल ने बताया कि सम्मेलन में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। इसमें सर्व सम्मति से तहसील अध्यक्ष भंवरलाल सारण, सचिव मदनलाल बैरा, कोषाध्यक्ष सुखराम सारण, सह सचिव जगदीश पोटलिया, श्रवणदास स्वामी, उपाध्यक्ष मेहराम भाकर सहित 21 सदस्यों को नियुक्त कर तहसील कमेटी का आगामी तीन वर्षों के लिए गठन किया गया है।

जमीन विवाद को लेकर खेत में तोड़फोड़, मामला दर्ज

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। जमीन विवाद को लेकर पड़िहारा की 70 वर्षीय वृद्धा के साथ खेत में घुसकर तोड़फोड़ करने को लेकर इस्तगासे के आधार पर मामला दर्ज हुआ। थाना प्रभारी गौरव खिड़िया के अनुसार सीतादेवी पत्नी मोहनलाल प्रजापत निवासी पड़िहारा ने रिपोर्ट दी कि उसका गांव की रोही में कटानी रास्ते पर खातेदारी का खेत है। उसने खेत में हनुमानजी का मंदिर भी बना रखा है। गांव के रामकरण जाट, रेवतराम जाट, भूपेंद्र जाट, लालचंद प्रजापत, दलीप प्रजापत, कमल प्रजापत सहित अन्य लोग उसके खेत में घुस गए और मंदिर आदि क्षेत्र में तोड़फोड़ की। मंदिर से चांदी के छत्र, सामान व गेट चोरी कर ले गए। उसके पति व बेटों ने विरोध किया तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इस्तगासे के आधार पर आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

निजी स्कूल संचालक जिला कलेक्टर के आदेशों की उड़ा रहे धज्जियां

सर्दी में बुलाया जा रहा छोटे बच्चों को स्कूल

निसं

सरदारशहर (नवयत्न)। क्षेत्र में इस समय कड़ाके की सर्दी पड़ रही है और तेज सर्दी को देखते हुए चूरू जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने कक्षा 1 से पांचवी तक के विद्यार्थियों के लिए 10 जनवरी तक और कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए 7 जनवरी तक अवकाश की घोषणा कर रखी है। यह आदेश सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों पर लागू है और आदेशों की अवहेलना करने पर सख्त कार्रवाई की बात भी कही गई है लेकिन शहर के ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल सहित कई निजी स्कूल संचालक जिला कलेक्टर के आदेशों को ठेंगा दिखाते हुए जिला कलेक्टर के आदेशों की सरेआम धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं। इन स्कूल संचालकों को जिला कलेक्टर के आदेशों की कोई परवाह नहीं है यह इसलिए हो रहा है क्योंकि इन स्कूल संचालकों द्वारा लगातार आदेशों की अवहेलना करने के बाद आज तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई, जिसके चलते इनके हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। शहर के ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल संचालक द्वारा छोटे-छोटे बच्चों को कड़ाके की सर्दी में स्कूल बुलाया जा रहा है। बुधवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे जब हमने स्कूल जा रहे बच्चों से पूछा कि आपको सर्दी नहीं लगती है तो बच्चों ने कहा कि हमें सर्दी तो लगती है लेकिन स्कूल की छुट्टी नहीं है इसलिए सर्दी में स्कूल जाना पड़ रहा है। इसी प्रकार शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में कई अन्य स्कूल संचालक भी आदेशों को ठेंगा दिखाकर धड़ल्ले से स्कूल संचालन कर रहे हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि जिला कलेक्टर द्वारा इन स्कूल संचालकों के खिलाफ क्या कार्रवाई अमल में लाई जाती है। या एक बार फिर जिला कलेक्टर के आदेश हवा हवाई नजर आएंगे। वही इस मामले में जब हमने सरदारशहर के कार्यवाहक मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से पूछा तो उन्होंने बताया कि हमारे द्वारा मामले की जांच करवाई जाएगी और वीडियो के आधार पर स्कूल संचालक को नोटिस भेजा जाएगा। नोटिस का जवाब प्राप्त होने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

मूंड बने राष्ट्रीय गौरक्षा वाहिनी के प्रदेश महासचिव

रामावतार सोनी

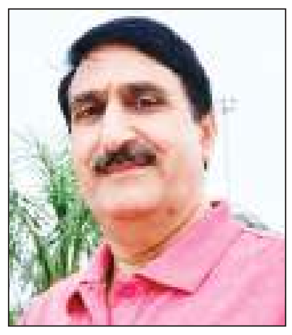

बुगाला (नवयत्न)। गौ सेवा के क्षेत्र में निरंतर योगदान देने वाले जाखल निवासी भामाशाह रामजीलाल मूंड को राष्ट्रीय गौरक्षा वाहिनी गौसेवा संघ द्वारा प्रदेश महासचिव राजस्थान के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन के विस्तार, सुदृढ़ीकरण एवं प्रदेश में गौरक्षा एवं गौसेवा गतिविधियों को नई दिशा और गति देने के उद्देश्य से की गई है। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मूंड ने कहा कि यह पद मेरे लिए एक सम्मान नहीं बल्कि गौमाता की सेवा का एक बड़ा दायित्व है, संगठन ने जो विश्वास मुझ पर जताया है उस पर खरा उतरने का मैं पूरा प्रयास करूंगा। मेरा लक्ष्य रहेगा कि प्रदेश के प्रत्येक गांव में गौशाला की स्थापना के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। साथ ही गौशालाओं को संगठित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को गौसेवा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बाबा सुंदरदास गोपाल गौशाला जाखल की स्थापना की प्रारंभिक पहल मूंड द्वारा ही की गई थी। इसके पश्चात उनके परिवार द्वारा 20 बीघा भूमि दान, गोकुल का भवन निर्माण, चारदीवारी निर्माण, गौ शेड निर्माण तथा दादा जीताराम व पिता पालाराम मूंड की पावन स्मृति में गौसेवा रथ का संचालन जैसे कार्यों से गौशाला को स्थायी मजबूती प्रदान की गई।

गौशाला में दवाइयां भेंट

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। देवकिशन स्मृति सेवा समिति द्वारा बुधवार को ग्राम पायली में हाइवे पर स्थित श्री मां करणी गौशाला में घायल व दुर्घटनाग्रस्त गौवंश के समुचित उपचार हेतु आवश्यक 25 हजार रूपये की दवाईयां प्रदान की गयी। गौशाला समिति के सुपेन्द्र सिंह राठौड़ ने निरन्तर सहयोग के लिए समिति सदस्यों का अभिनन्दन व धन्यवाद करते हुए कहा कि दवाईयों की उपलब्धता से गौसेवक बिना हिचक क्षेत्र के घायल गौवंश को उपचार हेतु पिकअप एम्बुलेंस से ले आते हैं। समिति अध्यक्ष विश्वनाथ सोनी ने बताया कि सामयिक दवाइयां प्रदान करने के साथ-साथ समिति के वरिष्ठ संरक्षक सुमित अजीतसरिया के सौजन्य से एक पिकअप चारा हर माह गौशाला को प्रदान किया जा रहा है। इस अवसर पर समिति के सीताराम जांगिड़, देवेन्द्र यादव, सीताराम दाधीच, नरोत्तम लाल सोनी, अनूप जोशी, रणजीत सिंह चौधरी, अमित फोगला, रामप्रसाद दाधीच सहित गौशाला के स्टाफ आदि उपस्थित रहे।

ज्ञापन : प्रशासक सरपंच प्रतिनिधि पर मारपीट करने सहित गंभीर आरोप

निसं

सरदारशहर (नवयत्न)। राजास गांव के नौरंगलाल जाट ने बुधवार को एसडीएम रामकुमार वर्मा को ज्ञापन देकर मेलुसर बिकान ग्राम पंचायत के प्रशासक सरपंच प्रतिनिधि पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ज्ञापन में बताया कि मेलुसर ग्राम पंचायत के राजास गांव में मेरे दादा के नाम से पट्टे शुदा भूमि है मेरे दादा के स्वर्गवास के बाद मेरे दादा के वारिसानों का बराबर रूप से हिस्सा काबिज है और मेलुसर बीकान ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि व अन्य कर्मचारियों की सांठ गांठ से मेरे पट्टे शुदा भूमि के अंदर जबरदस्ती रास्ता बनाकर खरंजा का निर्माण किया जा रहा है। ज्ञापन में बताया कि इस संबंध में मेरे द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को शिकायत की गई लेकिन अब तक निर्माण कार्य को नहीं रुकवाया गया है। मेरे द्वारा निर्माण कार्य करने का विरोध किया गया तो प्रशासक सरपंच प्रतिनिधि सहित अन्य द्वारा मेरे साथ मारपीट की गई जिसका वीडियो भी मेरे पास में है। पीड़ित ने ज्ञापन के माध्यम से एसडीएम के सामने गुहार लगाई की मेरी उस भूमि पर चल रहे खरंजा निर्माण को तुरंत प्रभाव से रोका जाए। ज्ञापन में बताया कि उक्त पट्टे शुदा भूमि की सीमाओं से किसी अन्य व्यक्ति का पट्टा नहीं जारी किया जाए और ऐसी कोई प्रक्रिया लंबित है तो उसे तुरंत रोकने के आदेश फरमाए जाए। उन्होंने कहा कि पहले उक्त भूमि के आसपास का सीमा ज्ञान किया जाए उसके बिना आगे की कोई कार्रवाई नहीं की जाए। अगर ऐसा होता है तो विवाद की स्थिति में कोई जनहानि हो सकती है जिसकी समस्त जिम्मेवारी प्रशासन की होगी। वही पीड़ित की ओर से मौके का एक मारपीट का वीडियो भी उपलब्ध करवाया गया है जिसमें कुछ लोग पीड़ित के साथ मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि हम इस वीडियो की पुष्टि नहीं करते हैं। वही मामले में एसडीएम रामकुमार वर्मा ने कहा कि पंचायत समिति विकास अधिकारी को मामले को लेकर जांच के आदेश दिए हैं जांच होने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। वही मारपीट मामला पुलिस से जुड़ा हुआ है तो पुलिस मामले की जांच करेगी।

पोष बड़ा व हलवे का आयोजन, व्यापारियों ने उठाई सड़क व नालियों की समस्या

निसं

सरदारशहर (नवयत्न)। बीकानेर रोड मार्केट एसोसिएशन संघ की ओर से पोष बड़ा एवं दाल के हलवे का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम पूनिया ट्रेडिंग कंपनी के पास संपन्न हुआ, जिसमें बीकानेर रोड मार्केट के सभी व्यापारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। आयोजन के दौरान न केवल मार्केट के व्यापारियों ने बल्कि सरदारशहर से बीकानेर की ओर जाने वाले अनेक वाहन चालकों एवं पैदल यात्रियों ने भी प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर एसोसिएशन संघ के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट माणकचंद भाटी ने कहा कि व्यापारियों द्वारा प्रतिवर्ष ऐसे आयोजन किए जाते हैं, जिससे आपसी भाईचारा, प्रेम और सौहार्द बढ़ता है। साथ ही आमजन को प्रसाद वितरण कर सेवा भाव भी प्रकट किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों ने अध्यक्ष एडवोकेट माणकचंद भाटी का माला पहनाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में एसोसिएशन संघ के सचिव परमेश्वर लाल पारीक, मांगीलाल पूनिया, विकास पारीक, सुनील राजपुरोहित, नरेंद्र शर्मा, प्रकाश पारीक, जयप्रकाश पारीक, विकास सारण, शंकरलाल पूनिया, रामनिवास शर्मा, मनीराम सीवर, राजकुमार पारीक सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात व्यापारियों की बैठक आयोजित की गई जिसमें सरदारशहर से बीकानेर जाने वाली मुख्य सड़क पर स्थित दुकानों के आगे पानी निकासी के लिए नालियों के निर्माण, नियमित सफाई व्यवस्था एवं क्षतिग्रस्त सड़क के पुनर्निर्माण को लेकर गंभीर चर्चा हुई। इस दौरान यूनियन अध्यक्ष एडवोकेट माणकचंद भाटी एवं व्यापारी मांगीलाल पूनिया ने कहा कि यदि प्रशासन ने समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया तो व्यापारी एकजुट होकर पुनः धरना-प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने बताया कि पूर्व में दिए गए धरने के दौरान एसडीएम, तहसीलदार एवं नगर परिषद आयुक्त ने मौके पर पहुंचकर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया था लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। वहीं नगर परिषद सभापति राजकरण चौधरी ने बताया कि संबंधित सड़क का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है और शीघ्र ही कार्य शुरू किया जाएगा, जिससे व्यापारियों व आमजन को राहत मिलेगी।

ऑल इण्डिया में खेलकर लौटी खिलाड़ी छात्राओं का किया सम्मान

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। स्थानीय गणपति नगर स्थित न्यू राजस्थान बालिका पी.जी. महाविद्यालय की छः छात्रा खिलाड़िओं का पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर की ओर से चयन होने पर एच.ए. नॉर्थ गुजरात यूनिवर्सिटी, पाटन गुजरात में आयोजित वेस्ट जॉन वॉलीबॉल प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त कर एस.आर.एम. यूनिवर्सिटी चेन्नई में आयोजित ऑल इण्डिया इंटर यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भाग लिया। वेस्ट जॉन वॉलीबॉल प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त कर ऑल इण्डिया इंटर यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भाग लेकर लौटी खिलाड़ी छात्राओं व कोच का महाविद्यालय प्रांगण में सम्मान किया गया। संस्था निदेशक प्यारेलाल ढूकिया ने खेलकर लौटी खिलाड़ी छात्रा सृष्टि, निकिता प्रजापत, बबीता गोयल, दीया, सोनिया, ममता व कोच नीलम चौधरी का सम्मान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की एवं कहा कि निरन्तर अभ्यास व कठिन मेहनत से ही लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है, जो इन खिलाड़ी छात्राओं ने प्राप्त किया है एवं महाविद्यालय की अन्य छात्राओं को खिलाड़ी छात्राओं से प्रेरणा लेने व बढ़.चढ़कर खेलों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. सुमन जानू ने बताया कि महाविद्यालय में छात्राओं को खेल गतिविधियों हेतु उचित अवसर व माहौल दिया जाता है। इस अवसर पर महाविद्यालय समस्त स्टाफ सदस्य व छात्राऐं उपस्थित रहे।

संत कुलरिया की पुण्यतिथि गौसेवा, शिक्षा, चिकित्सा सेवा और भक्ति संगीत के साथ मनाई

निसं

नोखा (नवयत्न)। गौसेवा और समाजसेवा को जीवन का उद्देश्य मानने वाले ब्रह्मलीन संत पदमाराम कुलरिया की पंचम पुण्यतिथि को श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ पूरे क्षेत्र में मनाई गई। इस अवसर पर नोखा क्षेत्र के सिलवा स्थित पदम स्मारक-और पदम पैलेस सहित देशभर में श्रद्धांजलि सभाएं, भक्ति संगीत संध्याएं और व्यापक समाजसेवी कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुण्यतिथि के अवसर पर संत पदमाराम कुलरिया के आदर्शों को आत्मसात करते हुए गोसेवा, दान-पुण्य-चिकित्सा सहयोग और जनकल्याण से जुड़े अनेक सेवा कार्य संपन्न हुए। श्रद्धालुओं ने संतश्री के त्याग, तपस्या, करुणा और सेवा से परिपूर्ण जीवन को स्मरण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। पुण्यतिथि कार्यक्रमों की विशेष कड़ी के रूप में मंगलवार शाम 6 बजे से सिलवा स्थित पदम स्मारक में भक्ति संगीत संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम साधु-संतों और महात्माओं के सानिध्य में हुआ, जहां स्थानीय और बाहरी कलाकारों ने संतवाणी, भजनों और भक्ति रचनाओं की सुमधुर प्रस्तुतियां दीं। भजनों के माध्यम से श्रद्धालु संत पदमाराम कुलरिया के जीवन दर्शन से भावविभोर होते नजर आए। पदम पैलेस में देर रात्रि तक चली भजन संध्याः वहीं मूलवास सिलवा स्थित-पदम पैलेस में मंगलवार की देर रात्रि तक संत सानिध्य में भजन संध्या का आयोजन हुआ। भजन संध्या में एक से बढ़कर एक भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई। हजारों श्रद्धालुओं ने पदम पैलेस पहुंचकर संत पदमाराम कुलरिया के तेल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर साधु संतों व अतिथियों का कानाराम-शंकर धर्मचंद कुलरिया ने स्वागत अभिनंदन किया।

देश-प्रदेश में श्रद्धांजलि कार्यक्रम

नोखा के अलावा मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे, अहमदाबाद, गुजरात, चेन्नई सहित देश के विभिन्न हिस्सों में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की गईं। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा ने कहा कि गोलोकवासी संत पदमाराम कुलरिया सादगीपूर्ण जीवन जीते हुए समाजसेवा और गोसेवा को समर्पित महान व्यक्तित्व थे। उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। एडिशनल एसपी बनवारी लाल मीणा ने कहा कि संत पदमाराम कुलरिया एक सच्चे संत थे, जिनका जीवन गायों की सेवा और समाज कल्याण के लिए समर्पित रहा। कार्यक्रम में सीएमएचओ पुखराज साध, एसडीएम गोपाल जांगिड़, सीओ जनरेल सिंह, तहसीलदार चंद्रशेखर टाक ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। कुलरिया परिवार की ओर से हरप्यारी देवी कुलरिया, उगमाराम, मधाराम, सुखदेव, मुन्नीलाल, मांगीलाल, भंवर-नरसी-पूनम कुलरिया, लालचंद, सुरेश, नरेश, पुखराज और पंकज कुलरिया ने दीप प्रज्वलन कर संतजी को नमन किया। संचालन जयकरण चारण ने किया। इस अवसर पर करणी कथा वाचक महंत डॉ. करनी प्रताप सिंह, महामंडलेश्वर बजरंगदास महाराज, गड़ियाल गौशाला संचालक सुखदेव महाराज, रामेश्वरानंदन महाराज, विश्वकर्मा बोर्ड अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, पूर्व राज्यमंत्री महेंद्र गहलोत, पालिका उपाध्यक्ष निर्मल भूरा, सुरेंद्र भट्टड़, श्याम भादू, महेश झंवर, गंगाराम पारीक, अभिनेता राज जांगिड़, प्रभुदयाल पारीक सहित अनेक संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि व समाजसेवी उपस्थित रहे।

संत का सेवा और समर्पण का अमर संदेश

ब्रह्मलीन गोसेवी संत पदमाराम कुलरिया ने अपना संपूर्ण जीवन गोसेवा, समाजसेवा, समाजसेवा, पर्यावरण संरक्षण, चिकित्सा सहायता और बालिका शिक्षा को समर्पित किया। उन्होंने मानव सेवा को ही ईश्वर सेवा

मानते हुए समाज को सेवाए करुणा और सद्भाव का मार्ग दिखाया। उनकी पंचम पुण्यतिथि पर आयोजित सेवा कार्यों ने उनके आदर्शों को जीवंत करते हुए समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य किया।

276 गौशालाओं को करोड़ों का सहयोग

संत पदमाराम कुलरिया की पुण्यतिथि पर गोसेवा को सर्वोपरि रखते हुए प्रदेश की 276 अनुदानित गोशालाओं में एक लाख 25 हजार से अधिक गोवंश के संरक्षण, लालन-पालन, चारा और चिकित्सा व्यवस्था के लिए करोड़ों रुपए का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। संतश्री के पुत्र कानाराम, शंकर एवं धर्मचंद कुलरिया ने बताया कि गोसेवा संत पदमाराम कुलरिया के जीवन का मूल उद्देश्य रही और उसी भावना के साथ उनकी स्मृति में यह सेवा कार्य निरंतर किए जा रहे हैं।

चिकित्सा और खेल क्षेत्र में भी सहयोग किया

समाजसेवा की कड़ी में चिकित्सा क्षेत्र को भी महत्वपूर्ण सहयोग दिया गया। बागड़ी अस्पताल को 12 लाख रुपए के आधुनिक चिकित्सकीय उपकरण उपलब्ध कराए गए, जिससे क्षेत्र के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। इसके साथ ही युवाओं को खेलों से जोड़ने और उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से खेलकूद गतिविधियों के लिए 5 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही कार्यक्रम के दौरान लाइब्रेरी में अध्ययन कर सरकारी नौकरी में चयनित हुए चार अभ्यर्थियों का भी मंच से सम्मान किया गया।

भैरुजी मेला 14 को

निसं

उदयपुरवाटी (नवयत्न)। किशोरपुरा गांव की भैरु घाटी में स्थित खुतड़मल भैरुजी महाराज का मकरसंक्रांति पर्व पर लगने वाला मेला 14 जनवरी को भरेगा। आदिवासी श्री मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा ने बताया कि मेले में ऊंची कूद, लंबी कूद, कबड्डी, घुड दौड़, ऊंट दौड़ सहित कई प्रतियोगिताओं के साथ ही विशेष कुश्ती दंगल का आयोजन रखा गया है। सरपंच मोहन लाल सैनी ने बताया कि विजेताओं को ग्राम पंचायत के द्वारा पुरस्कार दिए जाएंगे। समाजसेवी राजेश खटाणा ने बताया कि कुश्ती दंगल में विजेता पहलवानों को गांव के भामाशाह सुमेर सैनी के द्वारा पुरस्कार स्वरूप नगद राशि प्रदान की जाएगी। मेले में भैरूंजी महाराज के विकास करने वाले भामाशाहों और विशिष्ट लोगों का सम्मान भी किया जाएगा।

छात्रावास भूमि आवंटन रद्द होने से भड़की चिंगारी

फुले ब्रिगेड ने कलेक्ट्रेट पर किया धरना-प्रदर्शन

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। राजस्थान सरकार द्वारा विभिन्न समाजों को छात्रावास हेतु दी गई भूमि का आवंटन रद्द किए जाने के फैसले के विरोध में सैनी समाज के युवाओं ने जिला कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। फुले ब्रिगेड के बैनर तले हुए इस विरोध प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष जयप्रकाश सैनी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और तत्काल भूमि आवंटन बहाल करने की मांग करते हुए उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

ढाई साल से लटकी थी फाइल, अब रद्द हुआ आवंटन

जिला अध्यक्ष सुनील घोराणा ने बताया कि ढाई वर्ष पूर्व पूर्ववर्ती सरकार ने सैनी समाज, सीकर को रियायती दर पर छात्रावास हेतु भूमि आवंटित की थी, जिसकी पूरी राशि तुरंत जमा भी करवा दी गई थी। लेकिन नगर विकास न्यास ने आवंटन पत्र जारी करने में देरी की और अब भूमि आवंटन निरस्त करने का आदेश सौंप दिया गया है। उन्होंने इसे समाज के साथ घोर अन्याय और युवा पीढ़ी के साथ धोखा बताया।

सरकार का लेने पर ही ध्यान, देना भूल गई

सीकर संभाग प्रभारी नरेश तारा पैलेस ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा सरकार सीकर को देने के बजाय लेने पर ही तुली हुई है। पहले संभाग निरस्त हुआ, फिर नीमकाथाना जिला रद्द हुआ और अब एक साथ चार समाजों की छात्रावास भूमि का आवंटन निरस्त करना दर्शाता है कि सरकार का आमजन से कोई वास्ता नहीं रह गया है।

गरीब बच्चों की शिक्षा पर प्रहार

जिला प्रभारी रमेश पंवार ने मांग रखी कि सरकार तुरंत और बिना किसी शर्त के समाजों को भूमि आवंटन बहाल करे तथा भवन निर्माण हेतु अनुदान भी मुहैया कराए ताकि पिछड़े और गरीब परिवारों के बच्चे भी अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते उनकी मांग नहीं मानी तो सैनी समाज अन्य समाजों के साथ मिलकर आंदोलन को और तेज व उग्र करेगा, जिसकी जिम्मेदारी पूर्णत: शासन-प्रशासन की होगी। प्रदर्शन के बाद एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर सुरेंद्र मारोठिया, गगन कटारिया, मुकेश आशीर्वाद, सुशील रेटा, हेमंत सांखला सहित सैनी समाज के दर्जनों गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

टेंट यूनियन के जिला अध्यक्ष निर्मल सैनी का पदभार ग्रहण आज

निसं

राजलदेसर (नवयत्न)। चूरू जिला टेंट यूनियन के जिला अध्यक्ष निर्मल सैनी का पदभार ग्रहण समारोह आज होगा। राजलदेसर में जिसको लेकर तैयारियां जोर-जोर से चल रही है टेंट यूनियन के राजलदेसर अध्यक्ष प्रदीप सैनी ने बताया दोपहर 2 बजे विनायक होटल से विशाल जुलूस रवाना होगा जिसमें बग्गी, घोड़ा, डीजे, बैंड बाजा एवं विभिन्न प्रकार की जीवित झांकियां जुलूस में सम्मिलित होगी। साथ ही जगह-जगह पुष्प वर्षा करके ऐतिहासिक स्वागत किया जाएगा। इसके अलावा इस भव्य आयोजन को लेकर राजलदेसर कस्बे के मुख्य मार्गों पर 101 स्वागत द्वार बनाए गए हैं।

साथ ही गांधी चौक, सुभाष चौक, पुलिस थाना, राजकीय चिकित्सालय आदि को शानदार डेकोरेशन से सजाया गया है साथ ही इस ऐतिहासिक एवं भव्य आयोजन को लेकर माली सैनी समाज स्थल को दुल्हन की तरह से सजाया जा रहा है जहां पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम होगा साथ ही इस ऐतिहासिक भव्य कार्यक्रम में चुरू जिले के टेंट व्यवसाय के अलावा प्रदेश एवं देश से अनेकों व्यवसाय इस कार्यक्रम में भाग लेंगे इस भव्य कार्यक्रम को लेकर राजलदेसर कस्बे के अंदर चर्चा का विषय बना हुआ है साथ ही सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय यह बना हुआ था कि राजलदेसर के इतिहास के अंदर पहली बार किसी राजनेता का भी इतना शानदार आयोजन नहीं हुआ जो की एक टेंट यूनियन के जिला अध्यक्ष के पद भार ग्रहण कार्यक्रम में हो रहा है इस भव्य कार्यक्रम को लेकर राजलदेसर टेंट यूनियन एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी दिन-रात कार्यक्रम को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं साथ ही सैनी टेंट हाउस के मालिक निर्मल सैनी जो कि स्वर्गीय दुलीचंद महावर के सुपुत्र हैं। दुलीचंद महावर एक बैलगाड़ी के माध्यम से टेंट व्यवसाय का कार्य शुरू किया था उनका व्यवहार व्यवहार एवं पिता के आशीर्वाद से आज जिले के अंदर ही नहीं अपितु राजस्थान के अंदर सबसे बड़ा टेंट व्यवसाय बन गया है जो की राजलदेसर कस्बे के लिए गौरव का विषय है मात्र 32 वर्ष की उम्र में जो उन्होंने कस्बे का नाम रोशन किया है उसके बारे में निर्मल सैनी का कहना है यह सारा आशीर्वाद मेरे स्वर्गीय पिताजी एवं पूरे राजलदेसर कस्बे वासियों के आशीर्वाद की वजह से ही मैं इस मुकाम पर पहुंचा हूं कार्यक्रम में टेंट यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि जिंदल, प्रदेश अध्यक्ष, कांग्रेस एवं भाजपा के एवं कस्बे की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

विफा का दो दिवसीय राष्ट्रीय आरोहण शिविर 10 से

निलेश मुद्गल

झुंझुनू (नवयत्न)। विप्र फाउंडेशन का दो दिवसीय आरोहण राष्ट्रीय परीक्षण शिविर 10 व 11 जनवरी को ऋषिकेश में आयोजित किया जाएगा जिसमें झुंझुनू से जिला पदाधिकारी जाएँगे।

राष्ट्रीय विफा संयोजक सुशील कुमार ओझा व राष्ट्रीय अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा गुरूजी के नेतृत्व में आयोजित दो दिवसीय शिविर के संयोजक डॉ सुनील शर्मा होंगे।

विफा जिला संयोजक उमाशंकर महमिया ने बताया कि जिला विप्र फाउंडेशन कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने ऋषिकेश के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया है जो विफा जिलाध्यक्ष कमलकांत की अगुवाई में ऋषिकेश शिविर में शामिल होने के लिए प्रस्थान करेंगे।

शिविर में विफा संगठन जो विश्व के एशिया सहित यूरोप, अमेरिका, कनाडा आदि देशों में अपनी मजबूत जड़े जमा चुका है तथा विश्व का सबसे बड़ा ब्राह्मण संगठन बनने पर अपनी दिशा व नीति तय करेगा साथ ही सभी सदस्यों को राष्ट्र दायित्वबोध के प्रति जनचेतना जागृत करना, शुचिता लाना व समाज उत्थान में सेवा, शिक्षा, संस्कार का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

महमिया ने बताया कि ऋषिकेश में होने वाले विप्र फाउंडेशन के आरोहण प्रशिक्षण शिविर में देशभर से लगभग 450 नायक (लीडरशीप कार्यकर्ता) सहभागिता करेंगे।

भाजपा नेता नरेंद्र गुर्जर ने शुरू की भूख हड़ताल

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। भाजपा नेताओं और पार्षदों का धरना नगरपरिषद कार्यालय के सामने लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। धरने पर भाजपा नेता नरेंद्र गुर्जर ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। इस दौरान वैद्य भंवरलाल शर्मा, भाजपा नेता प्रहलाद जाखड़, रूपाराम गुलेरिया, पवन माहेश्वरी, बुद्धिप्रकाश सोनी, प्रकाश भार्गव, सौभाग कंवर, पुरूषोतम शर्मा, हरीओम खोड़, रविन्द्र पांडे, पन्नालाल सोनी, प्रेमप्रकाश स्वामी, रेंवतमल पंवार, अशोक तिवाड़ी, पंकज घासोलिया, ओमप्रकाश बोहरा, सुरेंद्र बोहरा, गणेश मंडावरिया आदि लोग धरने पर मौजूद रहे। लोगों ने दोहराया की चापटिया तलाई से ही ड्रेनेज के कार्य की शुरूआत की जावे। दूसरी ओर पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल भी धरने पर पहुंचे और धरना दे रहे भाजपा नेताओं से बात की। पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल ने धरनार्थियों के मुद्दों को सुनकर एडीएम से बात की और कहा कि भाजपा के शासन में भाजपा के पार्षद धरने पर बैठे हैं, आप इनकी सुध लीजिए। जिस पर एडीएम ने कहा कि मैं अवकाश पर हूंए एसडीएम से बात करके समाधान करवाता हूं।

तीसरे दिन भी जमावटी कोहरे ने घेरा अंचल

डॉक्टरों ने बुजुर्ग और अस्थमा रोगियों को घर में रहने की दी सलाह

मुहम्मद सादिक

सीकर (नवयत्न)। अंचल में लगातार तीसरे दिन भी घना कोहरा छाया रहा, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। खासकर सांस और हृदय रोग के मरीजों के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। अस्पतालों में श्वसन संबंधी शिकायतों के मामलों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

स्वास्थ्य पर प्रहार

शहर के प्रमुख अस्पतालों में डीएमए और सीओपीडी के मरीजों की संख्या बढ़ी है। कोहरे में मौजूद नमी, प्रदूषण और ठंड हवा के कारण सांस लेने में तकलीफ की शिकायतें बढ़ रही हैं। डॉक्टरों ने बुजुर्ग, बच्चों और पहले से सांस की बीमारी वाले लोगों को सुबह-शाम घर से बाहर न निकलने की चेतावनी दी है।

यातायात में व्यवधान

सुबह के समय दृश्यता काफी कम रहने से सड़क और रेल यातायात

प्रभावित हुआ। कई ट्रेनों को धीमी गति से चलाया गया, कुछ सेवाओं में देरी हुई।

सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए पुलिस ने हैडलाइट जलाकर धीमी गति से वाहन चलाने के निर्देश दिए हैं।

मौसम विभाग का अनुमान

मौसम विभाग के अनुसार हवा में नमी और हल्की हवाएं कोहरा बने रहने की वजह हैं। अगले 24-48 घंटों में तापमान में मामूली वृद्धि के साथ कोहरा कम होने की संभावना जताई गई है।

प्रशासनिक तैयारी: जिला प्रशासन ने सभी अस्पतालों को आपातकालीन सेवाएं बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

घने कोहरे से बचाव के लिए सलाह

जरूरी न हो तो सुबह घर से न निकलें। अस्थमा के मरीज इनहेलर हमेशा साथ रखें। वाहन चलाते समय अत्यधिक सावधानी बरतें। नागरिकों से अपील की गई है कि वे आवश्यक सावधानियां बरतें और स्वास्थ्य संबंधी कोई भी तकलीफ होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

ट्रेक्टर को स्क्रैप पॉलिसी से मुक्त करने की मांग

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। प्रदेश में लागू होने वाली नई वाहन स्क्रैप नीति से कृषि उपकरणों को मुक्त रखे जाने की मांग राष्ट्रीय जाट महासभा ने की है। राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र कीलक ने कहा है कि कृषि उपकरणों में मुख्यतया ट्रेक्टर किसानों का काफी महत्वपूर्ण उपकरण है, जिसे सड़क पर आते ही वाणिज्यिक वाहन मान लिया जाता है। अगर नई वाहन स्क्रैप पोलिसी लागू होने पर ट्रैक्टर को भी स्क्रैप घोषित किया जाता है, तो यह किसानों के साथ अन्याय है। किसानों को राहत प्रदान करने के लिए हमारी मांग है कि कृषि वाहन मुख्यतया ट्रेक्टर को स्क्रैप पोलिसी से बाहर रखकर किसानों को राहत प्रदान की जावे। कीलक ने कहा कि सरकार नई स्क्रेप पोलिसी पर फिर से विचार कर किसानों को राहत प्रदान करे।

भाजपा नेता जांगिड़ ने पूर्व मंत्री टीटी का किया स्वागत

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। पूर्व राज्य मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र पाल सिंह टीटी का सीकर जिला भाजपा कार्यालय में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता भवर लाल जांगिड् ने उन्हें पारंपरिक रीति से दुपट्टा पहनाकर तथा पार्टी के प्रतीक चिह्न कमल का फूल भेंट कर सम्मानित किया। टीटी के कार्यालय पहुँचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार तालियों व जयघोषों से उनका स्वागत किया। इस मौके पर जिला भाजपा अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा नेता भंवर लाल जांगिड़ ने कहा कि सुरेंद्र पाल सिंह टीटी का मार्गदर्शन पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है। उनके आगमन से सीकर की पार्टी इकाई को नई ऊर्जा मिली है। टीटी ने इस गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए सीकर की भाजपा टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं का समर्पण ही पार्टी

की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आगामी राजनीतिक लक्ष्यों को लेकर कार्यकर्ताओं से मुखर भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर पार्टी संगठन, जनसम्पर्क तथा आने वाले चुनौतीपूर्ण अभियानों पर विस्तृत विचार-विमर्श भी हुआ। सभी ने एकजुटता के साथ कार्य करने का संकल्प दोहराया।

महिला मोर्चा द्वारा तुलसी पौधा भेंट

इस अवसर पर महिला मोर्चा की जिला अध्यक्षा अनिता शर्मा के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ताओं ने टीटी को पार्टी का दुपट्टा ओढ़ाकर तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मानित किया। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्षा अनिता शर्मा ने कहा कि टीटी का मार्गदर्शन पार्टी की महिला शक्ति के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा संगठन को मजबूत करने और जनसम्पर्क बढ़ाने में पूर्ण रूप से तत्पर है। इस अवसर पर महिला मोर्चा की अनुराधा सरपंच, रमा शेखावत, सुमन वर्मा, भंवरी खोखर, कविता चौधरी, सोनू सोनी, राज शर्मा, विशाखा कुमावत, मंजु देवी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहीं। सभी ने टीटी से आशीर्वाद प्राप्त कर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से महिला मोर्चा ने एक बार फिर अपनी संगठनात्मक शक्ति और सामाजिक प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए शपथ दिलाई

निसं

राजलदेसर (नवयत्न)। बुधवार को राष्ट्रीय महिला सुरक्षा आयोग एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा नियोजित कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को शपथ दिलवाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. आर. एस. पुरोहित ने बताया कि राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा नियोजित कार्यक्रम के आधार पर शिक्षण संस्थान एवं विविध कार्य स्थलों पर होने वाले कन्या अथवा महिला यौन उत्पीड़न को रोकने एवं विद्यार्थियों में जागरूकता के लिए संविधान में के पॉस पीओएसएच अधिनियम की विस्तृत जानकारी दी तथा लैंगिक समानता को ध्यान रखते हुए किसी भी कार्य स्थल पर लैंगिक संवेदनशीलता बनाए रखने एवं भेदभाव को रोकने का आह्वान किया गया। महाविद्यालय व्याख्याता जमन सिंह शेखावत ने समस्त विद्यार्थियों को ष्लैंगिक संवेदनशीलता की शपथ दिलवाई। इस अवसर पर व्याख्याता नीरज कच्छावा, भगवती प्रसाद एवं कुमारी पूनम हिरावत ने भी विद्यार्थियों को परिसर में समान आचरण रखने हेतु प्रेरित किया।

कृष्ण-सुदामा चरित्र प्रसंग पर उमड़े श्रद्धालु

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। कस्बे के खंडेला रोड स्थित श्रीगणेश मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में कृष्ण-सुदामा मित्रता का प्रसंग सुनाते हुए कथावाचक पूनम दीदी ने कहा कि कृष्ण-सुदामा मित्रता निस्वार्थ प्रेम, समानता और भक्ति का अद्भुत उदाहरण है। जो बचपन के मित्र, द्वारिकाधीश कृष्ण और निर्धन ब्राह्मण सुदामा की कहानी बताता है।

जहाँ सुदामा पत्नी के कहने पर कृष्ण से मिलने आते हैं। कृष्ण उन्हें गले लगाकर अपने राजसिंहासन पर बिठाते हैं। उनके पैरों को धोते हैं और सुदामा के बिना मांगे ही उनकी गरीबी दूर कर उन्हें धनवान बना देते हैं। यह कथा दर्शाती है कि मित्रता में धन या पद का कोई भेद नहीं होता बल्कि यह दिल से दिल का जुड़ाव है। मुकेश शर्मा ने बताया कि मंदिर श्री गोपाल जी कुंड वाले खंडेला रोड स्थित में चल रही जनकल्याण हेतु श्रीमद् भागवत कथा के समापन में पधारे 1008 शंकर गिरी जी महाराज एवं श्रद्धालुओं की भीड़ उमड पड़ी। श्रीजी पूनम शर्मा दीदी हिंदुत्व प्रचारक व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सनातन धर्म गौ रक्षा वाहनी ने बुधवार को श्री-कृष्ण-सुदामा का प्रसंग सुनाया जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

इस मौके पर महावीर ठठेरा, माखनलाल शर्मा, अशोक शर्मा, विष्णु सैनी, राहुल, मोहित, अर्पित सैनी, सुरेश सैनी, चिरंजीलाल ठठेरा, रितेश सैनी, योगेश, रविंद्र, भूपेश जांगिड़ सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धनुष भंग और राम-सीता विवाह प्रसंग का वर्णन

नगर आराध्य देव गोपीनाथ मंदिर में आयोजित नव दिवसीय श्रीराम कथा के दौरान बुधवार शाम 5 बजे भगवान श्रीराम-सीता विवाह का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोग हो गए। कथावाचक संत बालक दास महाराज हरिद्वार ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों, त्याग और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरक कथाओं से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। मंदिर महंत डॉ मनोहरशरण ने बताया कि कथावाचक महराज ने धनुष यज्ञ और सीता स्वयंवर का वर्णन करते हुए बताया कि कैसे भगवान श्रीराम ने शिवधनुष भंग कर माता सीता का हाथ थामा। इस प्रसंग पर पंडाल में मौजूद श्रद्धालु जय श्रीराम के उद्घोष से झूम उठे। राम-सीता विवाह का सुंदर वर्णन सुनकर वातावरण भक्तिमय हो गया। भगवान श्रीराम-सीता विवाह के भजनों को सुनकर श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। कथावाचक ने धर्म की स्थापना जैसे विषयों पर भी प्रकाश डाला गया। कथावाचक ने कहा कि श्रीराम का जीवन आज के समय में भी आदर्श है जो सत्य, संयम और कर्तव्य का मार्ग दिखाता है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा स्थल पर उपस्थित रहे और धर्मलाभ अर्जित किया। इस अवसर पर परमानंद सोनी, राम अवतार आगीवाल, अर्जुन लाल सैनी, हेमंत सोनी, पंकज सोनी, दीनदयाल कसेरा, सुरेश कुमार अग्रवाल, नरेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

भारती विद्यापीठ महाविद्यालय में आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षाएं प्रारंभ

निसं

राजलदेसर (नवयत्न)। राजलदेसर भारती विद्यापीठ महाविद्यालय में बुधवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय द्वारा नियोजित एवं नई शिक्षा नीति के तहत सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाएं विधिवत प्रारंभ हुई। प्राचार्य डॉ. पुरोहित ने बताया की विद्यार्थियों में नियमित अध्ययन और सक्रियता बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा बीए बीकॉम प्रथम वर्ष के आंतरिक मूल्यांकन हेतु परीक्षाओं का संचालन 7 तारीख से 10 तारीख के बीच में होगा। इस अवसर पर परीक्षा प्रभारी नीरज कच्छावा बताया कि विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय निर्देश अनुसार परीक्षा में उपस्थित रहना अनिवार्य होगा अन्यथा सत्रांक विश्वविद्यालय को नहीं भेजे जाएंगे।

परीक्षा कार्यक्रम में मोहम्मद रमजान, दुर्गा दत्त नेहरा और भगवती प्रसाद जमन सिंह का भी सहयोग रहा।

पौष बड़ा महोत्सव का विभिन्न जगहों पर हुआ आयोजन

मुहम्मद सादिक

सीकर (नवयत्न)। सूरजपोल गेट स्थित पतासा गली में बुधवार को पोष बड़ा महोत्सव का आयोजन धूमधाम के साथ मनाया गया। भगवान को भोग लगाकर भक्तों में प्रसाद का वितरण किया गया। इस आयोजन के लिए रोहित चितलांगिया व संदीप सुईवाल का विशेष सहयोग रहा, इनके अलावा अन्य व्यापारियों ने भी अपना सहयोग प्रदान किया जो काफी सराहनीय रहा। इस अवसर पर जगदीश चितलांगिया, सुरेन्द्र कौशिक, महेन्द्र पंसारी, नितिन थदानी, प्रहलाद अग्रवाल, मनोज कुमावत, दिनेश अग्रवाल, गणेश अग्रवाल, पीयुष पारीक, श्रीकांत

काबरा, नवीन अग्रवाल, गोविन्द सैनी, योगेश चूरू वाले, सुभाष सैनी, निर्मल मिश्रा, चतरूराम सैनी, अजय थदानी, दिनेश थदानी, देवेन्द्र सोलंकी सहित अनेक व्यापारी उपस्थित रहे। शहर के रामलीला मैदान रोड स्थित शक्ति पीठ बालाजी मंदिर परशुराम पार्क के पास में पौष माह के पावन पर्व पर दूसरी बार पौष बड़ों का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर पौष बड़ों की सुगंध और भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। मंदिर के पुजारी मुकेश भादू के पोता ने बालाजी को गाजर के हलवे का भोग लगाया, जिसके बाद अन्य पारंपरिक व्यंजनों के साथ प्रसाद को आमजन में वितरित किया गया। इस धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन में शहर के गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों और भक्तों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन में श्री गणेशाय नम: कंपनी एजेंसी के व्यापारी आशुतोष शर्मा, आदित्य सैनी, अजय सिंह, राहुल शर्मा, विशाल छीपा और पवन शर्मा ने विशेष सहयोग दिया। सीकर व्यापार संघ के राधेश्याम पारीक सहित अन्य व्यापारियों ने भी आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। इसी प्रकार अनाज मंडी स्थित बालाजी मंदिर में पौष मास के पावन अवसर पर बालाजी को पौष बड़ों का भोग लगाया गया, जिसके बाद हजारों की संख्या में आए भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महिलाओं द्वारा भजनों की मनमोहक प्रस्तुति से हुई, जिसे सुनकर भक्त मंत्रमुग्ध हो गए। इस धार्मिक आयोजन में खाद्य पदार्थ व्यापार संघ के संरक्षक सुरेश अग्रवाल, अध्यक्ष नवरंग खीचड़, पूर्व एडीएम ईश्वर सिंह राठौड़, सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र मीना, सुभाष बुबना, मंडी सचिव सुमन चौधरी, रतन काछवा, अभिषेक गाड़ोदिया, राजाराम मोर, कमल अग्रवाल, मनीष तोदी, विशाल अग्रवाल, कुंदनमल गोयल, सुंडाराम अग्रवाल, रामस्वरूप खेमका व पवन रलावता सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्रद्धा और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला, जिसने मंदिर परिसर को भक्तिमय आस्था से सराबोर कर दिया।

स्थानीय अवकाश घोषित

निसं

चूरू (नवयत्न)। राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर की अधिसूचना के अनुसरण में जिला एवं सेशन न्यायाधीश सोनिका पुरोहित ने चूरू न्यायक्षेत्र के सभी न्यायालयों में कैलेंडर वर्ष-2026 के लिए दो स्थानीय अवकाश घोषित किए हैं। आदेश के अनुसार बुधवार, 14 जनवरी, 2026 को मकर संक्रांति तथा गुरुवार, 02 अप्रैल, 2026 को सालासर मेले हनुमान जयंती के दिन अवकाश रहेगा।

सम्पादकीय

पंजाब में बढ़ते अपराध

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पंजाब में सरेआम की जा रही लक्षित हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दुस्साहसी हत्यारे अपने मंसूबों को अंजाम देकर साफ निकल जाते हैं। यह विडंबना ही है कि पंजाब में नये साल की शुरुआत दिनदहाड़े हुई हत्याओं की एक श्रृंखला के साथ हुई है। अब चाहे लुधियाना जिले में एक पूर्व कबड्डी खिलाड़ी की निर्मम हत्या हो या अमृतसर के मैरिज रिसॉर्ट में एक विधायक के करीबी सरपंच की गोली मारकर बेरहमी से हत्या, इनसे पता चलता है कि पंजाब के अपराधियों में कानून का भय नहीं रह गया। निश्चित रूप से ये घटनाएं पंजाब में गंभीर चुनौती बनती एक जटिल समस्या की ओर इशारा करती हैं। इस चिंताजनक होती स्थिति की वजह लगातार अपराधी गिरोहों के नेटवर्क का मजबूत होना, घातक हथियारों की सहज उपलब्धता और पुलिस बल पर लगातार बढ़ता दबाव भी है। दूसरी ओर विपक्षी दल आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला चलाए रहते हैं और राजनीतिक लक्ष्यों के लिये मुख्यमंत्री भगवंत मान के इस्तीफे की मांग करते रहते हैं। वहीं सरकार इस संकट को अपने पूर्ववर्तियों द्वारा विरासत में छोड़ा गया बताते हैं। लेकिन एक हकीकत है कि इन बयानबाजियों से नागरिकों की असुरक्षा कम नहीं होती है। वहीं पंजाब के शीर्ष पुलिस अधिकारियों की दलील होती है कि पंजाब में अपराध दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। लेकिन राज्य में बढ़ते अपराधों के संकट को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से जब हत्याएं राज्य के भीड़भाड़ वाले इलाकों में होती हैं तो लोगों का कानून व्यवस्था से भरोसा उठ जाता है। वहीं दूसरी ओर राज्य के पुलिस महानिदेशक की दलील है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ड्रोन के जरिये हथियार, गोला-बारूद और नशीले पदार्थ भेजकर सीमांत राज्य पंजाब के खिलाफ परोक्ष युद्ध छेड़े हुए है। निश्चय ही यह बात इस सीमावर्ती राज्य के लिये गंभीर चिंता का विषय है। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के डीजीपी का पाक से अपराधियों को प्रश्रय देने वाला बयान चिंता बढ़ाने वाला है। खासकर उस राज्य के लिये, जिसने एक दशक तक उग्रवाद का सामना किया हो। लेकिन पंजाब के अपराध संकट के लिये केवल बाहरी कारकों को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। यह पुलिस विभाग की शिथिलता व खुफिया तंत्र की नाकामी के साथ सामाजिक विद्रूपताओं से भी उपजा संकट है। निस्संदेह, राज्य में अधिक बेरोजगारी है। बंदूक संस्कृति का महिमामंडन भी गंभीर चुनौती है। वहीं दूसरी ओर युवाओं में रातों-रात धनवान बनने का लालच भी स्थानीय व क्षेत्रीय गिरोहों के पनपने की गंभीर वजह है। इसके अलावा पुलिस विभाग की संरचना की भी कुछ विसंगतियां सामने आती हैं। मसलन पुलिस व्यवस्था में उच्च अधिकारियों की तो अधिकता है मगर फील्ड स्टाफ पर काम का बोझ जरूरत से ज्यादा है। इसके अलावा पुलिस के कामकाज में राजनीतिक हस्तक्षेप के भी आरोप लगते रहे हैं। यही वजह है कि पुलिस, हासिल कुछ सफलताओं के बावजूद जनता का विश्वास जीतने के लिये संघर्ष कर रही है। लेकिन राजनीतिक बयानबाजियों से इतर राज्य सरकार को अपनी रणनीति में बदलाव लाकर धरातल पर गंभीर प्रयास करने होंगे। मौजूदा हालात में बहुआयामी रणनीति बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। इसके अंतर्गत पुलिस सुधार भी प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की जरूरत है, ताकि हाइटैक अपराधियों पर शिकंजा कसा जा सके। इसके साथ ही अपराध नियंत्रण में केंद्रीय एजेंसियों से बेहतर तालमेल करने की भी जरूरत है।

इसके अलावा बंदूकों पर लगाम लगाने के लिये कानून को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता होगी। राज्य में रोजगार के अवसरों में वृद्धि, कौशल विकास में व्यापक निवेश करने तथा भटके हुए युवाओं को मुख्यधारा में लाने के प्रयास योजनाबद्ध ढंग से करने होंगे।

विशेष आलेख

भारतीय कूटनीति की परीक्षा का समय, विदेश नीति की सबसे बड़ी चुनौती

ट्रंप की दुनिया में किसी स्थापित कूटनीतिक परंपरा और अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानून की कोई गारंटी नहीं है। यह द्वितीय महायुद्ध के बाद बनी नियमबद्ध व्यवस्था वाली दुनिया से नितांत भिन्न है, जिसके आधार पर भारत की विदेश और व्यापार नीति टिकी है। जिस गुटबाजी से भारत को परहेज था, वह सोवियत संघ के विघटन से टूटी और दुनिया एकध्रुवीय बन गई।

कहने को तो एक साल ही बदला है, पर डोनाल्ड ट्रंप ने जैसी उथल-पुथल मचाई है, उससे लगता है मानो एक युग बदल गया है। नए साल की शुरुआत में ही उन्होंने वेनेजुएला पर धावा बोल दिया। अमेरिका इस वर्ष अपनी स्थापना की 250वीं जयंती मनाएगा, लेकिन दुनिया के सबसे उदार, संतुलित और स्थिर लोकतंत्र के संस्थापकों ने क्या कभी सोचा होगा कि कोई राष्ट्रपति 250 वर्षों से स्थापित व्यवस्था को केवल एक साल के भीतर उलट-पलट देगा? अफ्रीकी मूल के फंक गायक जेम्स ब्राउन का मशहूर गीत है- इट्स मेंस वर्ल्ड (यह मर्दों की दुनिया है)। उसी तर्ज पर कहा जा सकता है कि यह ट्रंप की दुनिया है-खासकर भूराजनीति और अर्थनीति के मामले में। भारत ने गुटनिरपेक्षता की जगह हितसापेक्ष स्वायत्तता की नीति अपनाई और खेमेबाजी से दूर रहते हुए अपनी सामरिक एवं आर्थिक शक्ति के विकास के लिए अमेरिका का रणनीतिक और व्यापारिक साझेदार बन गया। भारत से पहले चीन ने भी गुटबाजी छोड़कर अपने सामरिक हितों की रक्षा करते हुए अमेरिका के साथ व्यापारिक साझेदारी की, जिसकी बदौलत आज वह अमेरिका को हर क्षेत्र में चुनौती देने की स्थिति में आ गया है। ट्रंप खुद चीन को जी-2 का दूसरा जी यानी दूसरी महाशक्ति मान चुके हैं। रूस को वे सामरिक महाशक्ति मानते हैं, लेकिन वह वैश्विक शक्ति संतुलन की तीसरी धुरी बनने की स्थिति में नहीं है। यूक्रेन युद्ध और आर्थिक प्रतिबंधों ने उसे चीन के खेमे में पहुंचा दिया है। यानी दुनिया एक बार फिर दो खेमों में बंटती दिख रही है, जबकि भारत बहुपक्षीय व्यवस्था चाहता है। ट्रंप के यूनेस्को, विश्व स्वास्थ्य संगठन और पेरिस जलवायु संधि जैसी वैश्विक संस्थाओं और संधियों से हाथ खींच लेने के कारण उभरती शक्तियों के लिए विश्व मंच पर कुछ जगह जरूर बनी है। हालांकि नियमबद्ध व्यवस्था का स्थान महाशक्तियों की मनमानी ने ले लिया है। अमेरिका का वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति मादुरो को बंधक बनाना, ईरान और नाइजीरिया पर हवाई हमले और ताइवान को डराने के लिए चीन के सैनिक अभ्यास इसके ताजा उदाहरण हैं।

महाशक्तियों की मनमानी भारत के लिए चिंताजनक है। भारत चाहता जरूर है कि वैश्विक संस्थाएं अमेरिका और यूरोप के नियंत्रण से मुक्त हों, पर नियमबद्धता की कीमत पर नहीं। वह चाहता है कि वैश्विक संस्थाओं में भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और जापान जैसी शक्तियों को भी आनुपातिक प्रतिनिधित्व मिले। महाशक्तियों की मनमानी वाली अव्यवस्था में यदि भारत को सुरक्षा परिषद और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में उचित स्थान मिल भी जाए तो उसकी व्यावहारिक उपादेयता क्या रह जाएगी? हकीकत यह है कि भारत को इसी व्यवस्था के भीतर अपनी विदेश नीति के कौशल से अपनी जगह बनानी है। इस साल उसे ब्रिक्स देशों की अध्यक्षता करनी है, जहां उसे दक्षिणी देशों का नेतृत्व करने का अवसर तो मिलेगा, मगर उसके लिए उसे चीन का सामना भी करना पड़ेगा। ब्रिक्स का सदस्य ईरान भी है, जहां मुद्रा के अवमूल्यन और आर्थिक संकट को लेकर विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। ट्रंप ने धमकी दी है कि यदि प्रदर्शनों पर सख्ती बरती गई तो अमेरिका हस्तक्षेप करेगा। अध्यक्ष होने के नाते ब्रिक्स देश के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप की यह धमकी भारत के लिए यूक्रेन जैसा धर्मसंकट खड़ा कर सकती है।

भारत को एक साल से टलती आ रही क्वाड शिखर बैठक का आयोजन भी करना है, जो ट्रंप की भारत यात्रा पर निर्भर करेगा। ट्रंप की भारत यात्रा व्यापार वार्ताओं की प्रगति पर निर्भर करेगी, जिनके सिरे न चढ़ने के कारण 25 साल पुराने संबंधों में खटास आई है। हालांकि अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रियर ने भारत के प्रस्तावों को अब तक मिले सर्वश्रेष्ठ व्यापार प्रस्ताव बताया है, पर ट्रंप के रवैये को देखते हुए भारत किसी बात पर भरोसा करने का जोखिम नहीं उठा सकता। उसे अमेरिकी बाजार के विकल्प खोजने ही होंगे। उसने यूएई, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ व्यापार समझौते किए हैं, लेकिन अमेरिकी बाजार के जाने से हुए नुकसान की भरपाई इनसे नहीं केवल यूरोप और खाड़ी परिषद के व्यापार समझौतों से ही हो सकती है और वह भी कुछ हद तक। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डे लायन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा की गणतंत्र दिवस पर भारत यात्रा से उम्मीद है कि व्यापार समझौते को अंतिम रूप मिल सकेगा। भारत की विदेश और व्यापार नीति की असली परीक्षा दक्षिण एशिया में होगी। 'पड़ोस पहले' की नीति के तहत बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और मालदीव के साथ संचार, यातायात, व्यापार और आर्थिक मदद पर अरबों डालर खर्च करने के बावजूद भारत इन देशों में वह विश्वास और प्रभाव नहीं जमा पाया, जिसकी उम्मीद थी। बांग्लादेश में भारत विरोधी लहर सोचने को बाध्य करती है कि क्या भारत के 3900 सैनिकों के बलिदान, करोड़ों लोगों को शरण और हाल की लगभग आठ अरब डालर के कर्ज की सुविधा का यही प्रतिफल है? फरवरी में होने जा रहे चुनाव में भारत विरोधी बीएनपी का सत्ता में आना लगभग तय है।

नेपाल में तो कौन सत्ता में आएगा और वह आंदोलनकारी जेन-जी को स्वीकार होगा या नहीं, इसका अनुमान लगाना कठिन है। बड़ा सवाल यह है कि भारत के तमाम सहयोग और राहत की नीतियों के बावजूद ये देश चीन और पाकिस्तान की तरफ क्यों झुके जाते हैं, जिनकी नीतियों की वजह से कर्ज और जिहादी आतंक के संकटों से घिर जाते हैं? चीन के अलावा अब ट्रंप और सऊदी का समर्थन मिलने से इतराए पाकिस्तान का उपाय करने के साथ-साथ इस सवाल का हल खोजना शायद भारतीय विदेश नीति की सबसे बड़ी चुनौती होगी।

स्वास्थ्य समाचार

पानी में इस चीज को मिलाकर रोजाना करें कुल्ला, दूर होगी मुंह की बदबू

आप किसी से बात कर रहे हैं और वह बार-बार अपने मुंह में हाथ रख दे, तो कैसा लगेगा कई बार हमें पता भी नहीं होता कि हमारे मुंह से बदबू आ रही है, लेकिन जब वह सामने वाला बताता है तो शर्मिंदा होना पड़ता है। ऐसा किसी के भी साथ हो सकता है। पेट खराब होने के कारण हमारे मुंह से बदबू आ सकती है। अगर आपने प्याज और लहसुन जैसी चीजें खाई हैं, तो उसके कारण भी मुंह से बदबू आती है। मुंह में इंफेक्शन के कारण और बीमारी में भी मुंह से बदबू आती है। मगर मुंह की बदबू को दूर करना भी आसान है। कई सारे लोग अपने पास इलायची और लौंग रखते हैं। कुछ लोग मेंथॉल युक्त चुइंगम अपने पास रखते हैं।

खराब डेटल हाइजीन के कारण

रोजाना ब्रश या फ्लॉस न करने से भी मुंह से बदबू आती है। अगर आपको लगता है कि दांत साफ करना ही काफी है, तो ऐसा नहीं है। ब्रश करने के साथ आपको फ्लॉस करना चाहिए और फिर जीभ को भी साफ करना बहुत जरूरी होता है। आपके दांतों पर बैक्टीरिया (प्लाक) की चिपचिपी लेयर जमती जाती है। अगर इसे साफ न किया जाए, तो इससे बदबू आने लगती है।

मुंह सूखने के कारण

लार आपके मुंह को साफ करने में मदद करती है। ड्राई माउथ एक ऐसी स्थिति जो सांसों की दुर्गंध में योगदान देती है, क्योंकि लार का उत्पादन कम हो जाता है। नींद के दौरान स्वाभाविक रूप से मुंह सूखता है, जिससे मॉर्निंग ब्रेथ अलग और दुर्गंध वाली होती है। इसके लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है और कोशिश करें कि सोडा और मीठे जूसेस का सेवन कम करें।

घर पर बने माउथवॉश का फायदा

यह अल्कोहल मुक्त होगा, इसलिए आपके गम्स में किसी तरह की जलन नहीं होगी। साथ ही घर पर जड़ी-बूटियों से तैयार माउथ वॉश सांसों की दुर्गंध दूर करने के साथ ही दांत का दर्द और सूजन भी कम होगी।

मुंह से बदबू आने के कारण

जैसा कि हमने आपको बताया कई बार इंफेक्शन और खाने के कारण भी मुंह से बदबू आती है, लेकिन इसके अतिरिक्त ऐसे कई फैक्टर्स हैं, जो मुंह की बदबू को बढ़ाते हैं।

तम्बाकू प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने के कारण

क्या आप स्मोकिंग करते हैं? क्या आप तम्बाकू युक्त मसाले खाते हैं? मुंह की दुर्गंध इसके कारण भी उत्पन्न होती है। धूम्रपान करने वालों और तम्बाकू खाने वालों के मसूड़े खराब होने लगते हैं और इससे सांसों में दुर्गंध आने लगती है।

घर पर तैयार माउथवॉश बनाने के लिए सामग्री

- 2 कप गर्म पानी
- 2-3 पत्तियां पेपरमिंट
- 1/2 छोटा चम्मच फिटकरी
- 3-4 बूंद नींबू का रस
- 1 बूंद टी ट्री ऑयल
- 1/2 बड़ा चम्मच दालचीनी
- चुटकी भर सेंधा नमक

माउथवॉश कैसे बनाएं

- पानी को उबाल लें और जब वो आधा हो जाए तो आंच बंद करके उसमें नींबू और फिटकरी डालकर मिक्स करें।
- अब इसमें दालचीनी का टुकड़ा या पाउडर, कूटी हुई पेपरमिंट और सेंधा नमक डालकर मिलाएं। आखिर में टी ट्री ऑयल डालकर इसे एक बोतल में भर लें।
- यह डीआईव्हाई माउथवॉश 10 दिन तक स्टोर किया जा सकता है।

कैसे उपयोग करें घर पर बना माउथवॉश

- सबसे पहले अपने दांतों को अच्छी तरह से ब्रश कर लें।
- इसके बाद फ्लॉस की मदद से अपने दांतों के किनारों और गैप्स को साफ करें।

- अपनी जीभ को टंग क्लीनर या ब्रश से स्क्रब करके कुल्ला करें।
- इसके बाद 1/2 कप पानी में 2 बड़े चम्मच माउथवॉश मिलाएं और उससे 30 सेकंड कुल्ला और गरारा करें।
- सुबह और शाम ब्रश करने के बाद, आपको माउथवॉश जरूर करना चाहिए।

मुंह से बदबू दूर करने के अन्य तरीके

इसके अलावा कुछ बातों का ध्यान रखें। मुंह की बदबू दूर करने के अपने खानपान में भी ध्यान दें। आप ये ट्रिक्स भी आजमा सकते हैं।

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं

मुंह सूखने से भी बदबू आती है, इसलिए जब भी मुंह सूखे तो पानी जरूर पिएं। ध्यान रहे कि आपको जूस या सोडा नहीं, बल्कि सिर्फ पानी पीना चाहिए। आपके मुंह में बनने वाली लार में मुंह को साफ करती है। पानी पीने से मुंह के बैक्टीरिया साफ होंगे और टॉक्सिन्स पेशाब के जरिए निकलेंगे।

सेब का सिरका आजमाएं

अगर आपने प्याज और लहसुन खाया है, तो जाहिर है कि उसके बाद मुंह से बदबू आएगी ही। इसके लिए सेब का सिरका एक अच्छा विकल्प है। यह इंस्टेंट रूप में काम करता है और आपके मुंह की दुर्गंध को दूर करता है। एक गिलास पानी में 2 बड़े चम्मच सिरका डालकर कुल्ला करें।

नमक वाले गर्म पानी से कुल्ला करें

नमक के पानी से गरारे करना सांसों की दुर्गंध को रोकने का एक प्राकृतिक तरीका है। 1 गिलास गर्म पानी में 1 छोटा चम्मच सेंधा नमक डालकर मिलाएं और फिर मुंह में पानी भरकर 30 सेकंड घुमाएं और गरारा करें। इससे मुंह की बदबू ही नहीं, मसूड़ों का दर्द और सूजन भी कम होगी।

आज का राशिफल

मेष

रुका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। पूँजी निवेश बढ़ेगा। साहित्यिक रुचि बढ़ेगी। आर्थिक योग शुभ हैं। यात्रा से व्यापारिक लाभ हो सकता है। संतान के रोजगार की समस्या का समाधान संभव है।

वृष

फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। कुसंगति से बचें। दूसरों पर भरोसा न करें। धैर्य रखें। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। रुका पैसा मिलेगा। शत्रु आपकी छवि को धूमिल करने का प्रयास करेंगे। अतः सावधान रहें। व्यापार में सफलता मिलेगी। खर्चों में वृद्धि से चिंता होगी।

मिथुन

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। कार्यसिद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन रहेगा। क्रोध पर संयम आवश्यक है। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। धर्म में रुचि बढ़ेगी। नई योजना से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

कर्क

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार के विस्तार हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान की ओर से अच्छे समाचार मिलेंगे। दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करें। परिवार की चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

सिंह

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। पराक्रम बढ़ेगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं। कामकाज में आशानुरूप स्थिति बनेगी। संतान के व्यवहार पर नजर रखें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या

उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बढ़ेगा। पुराने मित्र-संबंधी मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा। विवादों से दूर रहना चाहिए। आर्थिक तंगी रहेगी। पिछले कार्यों को टालें। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा।

तुला

जल्दबाजी व भागदौड़ से कार्य करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएं। बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से लाभ होगा।

वृश्चिक

योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी व भागदौड़ से काम करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएँ। अच्छे मित्र से भेंट होगी। पराक्रम की वृद्धि होगी। समाज-परिवार में आदर मिलेगा। सुसंगति से लाभ होगा।

धनु

मेहनत का फल मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यात्रा सफल रहेगी। धनलाभ होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। वाहन सुख मिलेगा। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी बरतें। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। संतान पर ध्यान दें। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे।

मकर

राजकीय सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ होगा। जोखिम बिलकुल न लें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार व नौकरी में हितकारकों की पूर्ण कृपा रहेगी। गृह उपयोगी वस्तुएँ क्रय करेंगे। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। खर्चों में वृद्धि से चिंता होगी। संतान के रोजगार की समस्या का समाधान संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। कशमकश दूर होगी। स्वजनों से भेंट होगी।

मीन

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रुभय रहेगा। लाभ होगा। पिछले कार्यों को टालना चाहिए क्योंकि उसमें असफलता का योग है। अनावश्यक विवाद होगा। व्यावसायिक योजनाएँ क्रियान्वित नहीं हो पाएँगी।

लुहार कॉलोनी में सड़क व नाली निर्माण की मांग

निलेश मुद्गल

झुंझुनू (नवयत्न)। रामलीला मैदान चुणा चौक के पास स्थित लुहार कॉलोनी को 30 वर्ष पहले नगर परिषद द्वारा बसाई गई थी। नगर परिषद ने ही यहां के लोगों को पट्टा जारी किया था। निवर्तमान पार्षद प्रदीप कुमार सैनी ने बताया कि नगर परिषद के द्वारा बसाई गई लुहार कॉलोनी की आज हालत बद से बदतर हैं। यहां की सड़क व नाली टुटकर जर्जर हो चुकी हैं। नालीयां तो टुटकर बंद ही हो गई हैं। जिस कारण घरो का गंदा पानी रास्तों पर भरा रहता हैं। प्रदीप सैनी ने बताया कि सड़क के नाम पर इस कॉलोनी में टुटे पत्थर नुमा रास्ता ही बचा हैं। कॉलोनी के लुहार गाड़ियों का आना जाना मुश्किल हो रखा हैं। गंदा पानी रास्तों पर इकठ्ठा रहता हैं। जिस कारण हमेशा बीमारीयों का खतरा यहां बना रहता है। निवर्तमान पार्षद प्रदीप कुमार सैनी ने नगर परिषद आयुक्त देवीलाल बोचल्या को ज्ञापन देकर लुहार कॉलोनी में सीसी सड़क एंव नाली निर्माण की मांग की। जिस पर आयुक्त बोचल्या ने मौका दिखवा कर जल्द ही समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया।

प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक आज

निसं

जयपुर (नवयत्न)। काम के अधिकार की रक्षा के लिए मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान की तैयारी के लिए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक आज जयपुर स्थित तोतुका भवन, नारायण सिंह सर्किल में आयोजित होगी और गुरूवार को प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा जयपुर स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में कांग्रेस पार्टी के जिला प्रमुख एवं जिला परिषद सदस्यों की बैठक लेंगे जिसमें नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी उपस्थित रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव तथा मीडिया चेयरपर्सन स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान की तैयारी के लिए प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक 08 जनवरी, 2026 को प्रातः 11 बजे जयपुर स्थित तोतूका भवन, नारायण सिंह सर्किल में आयोजित होगी। बैठक में एआईसीसी प्रदेश प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित राजस्थान से एआईसीसी पदाधिकारी, कांग्रेस विधायक, विधायक प्रत्याशी, कांग्रेस सांसद, सांसद प्रत्याशी, प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, विधानसभा समन्वयक सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

बिल्डिंग द नेशन अभियान में राजस्थान चैंबर की भागीदारी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान चैंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष डॉ. के. एल. जैन के नेतृत्व में चैंबर के कार्यकारिणी सदस्यों ने वैश्विक टेक्नोलॉजी कंपनी डेल द्वारा जयपुर में आयोजित बिल्डिंग द नेशन अभियान में सहभागिता की। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में राजस्थान चैंबर एक आधिकारिक पार्टनर के रूप में शामिल रहा तथा कार्यक्रम को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करते हुए लोगो सपोर्ट भी दिया गया। यह अभियान विशेष रूप से स्मॉल एंड मीडियम बिजनेस सेक्टर को सशक्त बनाने, उन्हें आधुनिक तकनीकी समाधानों से जोड़ने तथा उनके समग्र व्यवसायिक विकास को गति देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत डेल कंपनी द्वारा एसएमबी वर्ग के लिए व्यवसाय-उपयोगी, विश्वसनीय एवं किफायती तकनीकी समाधान के रूप में प्रस्तुत किया गयाए जो दैनिक कार्यों, उत्पादकता, डेटा सुरक्षा एवं लागत प्रभावी संचालन में सहायक सिद्ध होते हैं। इस अवसर पर राजस्थान चैंबर के अध्यक्ष डॉ. के. एल. जैन ने कहा कि एसएमबी सेक्टर भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसके सशक्तिकरण के बिना समग्र आर्थिक विकास संभव नहीं है। बिल्डिंग द नेशन जैसे अभियान उद्योग, तकनीक और व्यापारिक संगठनों के बीच समन्वय स्थापित कर एसएमबीउद्यमियों को भविष्य के लिए तैयार करते हैं। उन्होने कहा की राजस्थान चैंबर ऐसे सभी प्रयासों का स्वागत करता है और भागीदार के रूप में सहयोग प्रदान करना हमारे लिए गर्व का विषय है।

24 जनवरी को होगा मिस डेजर्ट राजस्थान का भव्य ऑडिशन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट मिस डेजर्ट राजस्थान के ऑडिशन आगामी 24 जनवरी को जयपुर स्थित होटल ग्रैंड सफारी में भव्य स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। इस आयोजन में प्रदेश के विभिन्न शहरों से आई प्रतिभाशाली मॉडल्स हिस्सा लेंगी और अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास व प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। मिस डेजर्ट राजस्थान ब्यूटी पेजेंट के आयोजक अरुण कुमार सिंह और नरेंद्र कुमार गंगवाल ने बताया कि यह मंच उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जहां से उन्हें फैशन जगत में आगे बढ़ने का मजबूत प्लेटफॉर्म मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह पेजेंट केवल ग्लैमर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें राजस्थानी संस्कृति, परंपराओं और विरासत की भव्य झलक भी देखने को मिलेगी। इस प्रतियोगिता का निर्णायक दायित्व अमित कुमार खंडेलवाल निभाएंगे, जिनके अनुभव और निष्पक्ष जजमेंट से प्रतिभागियों को सही दिशा मिलेगी। कार्यक्रम के संयोजक दीपक अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन की खास बात यह है कि यहां से चयनित मॉडल्स को फैशन इंडस्ट्री में काम करने के नए अवसर मिलेंगे। साथ ही, फाइनलिस्ट प्रतिभागियों को आगामी म्यूजिक एल्बम गानों में अभिनय करने का भी मौका प्रदान किया जाएगा।

भारत मुक्ति मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

निलेश मुद्गल

झुंझुनू (नवयत्न)। बीजेपी के लोगों द्वारा षडयंत्रपूर्वक बामसेफ एवं भारत मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अधिवेशन की परमिशन रद्द किए जाने के विरोध में तथा ओबीसी की जाति आधारित जनगणना के संविधान का अधिकारों की रक्षा के संदर्भ में भारत मुक्ति मोर्चा राज. महासचिव ओमप्रकाश सेवदा के नेतृत्व में जिला कलक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री के नाम को प्रथम चरण का ज्ञापन सौंपा गया। महासचिव ने बताया की बामसेफ एवं राष्ट्रीय मूल निवासी संघ का 42 वां दो दिवसीय संयुक्त राष्ट्रीय अधिवेशन और भारत मुक्ति मोर्चा का 15 वां तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 26 दिस. 2025 से 30 दिस. 2025 तक बालीयात्रा लोअर ग्राउंड कटक, उड़ीसा में आयोजित किया जाना था जो स्पष्ट रूप से ओबीसी पिछड़ा वर्ग की जाति आधारित जनगणना के लिए समर्पित किया गया था। चौदह प्रकार की संवैधानिक स्वीकृति दो माह पूर्व उड़ीसा प्रशासन से प्राप्त कर ली गई थी। मगर जिम्मेवार उड़ीसा जिला अधिकारी और कटक महानगर पुलिस प्रशासन ने ऐनवक्त पर स्वीकृति रद्द कर दी जिससे समाज के 85 प्रतिशत बहुजनों को दिए हुए संवैधानिक मौलिक अधिकारों का उल्लंघन ही नहीं लोकतंत्र पर हमला है। यह कुत्सित प्रयास ओबीसी, एससी, एसटी और मूलनिवासी समाज की आवाज दबाने का असंवैधानिक प्रयास है। भारत का संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है यह जनता की स्वतंत्रता समानता और उज्ज्वल भविष्य की गारंटी देता है लेकिन जब कोई सरकार या प्रशासन जनता के मौलिक अधिकारों को प्रतिबंधित सीमित, स्थगित करने या कुचलने लगता है तो यह केवल किसी व्यक्ति या संगठन पर हमला नहीं होता है। यह संविधान पर हमला है पूरे समाज को गुलामी की ओर धकेलना की शुरुआत होती है। भारत के संविधान का भाग 3 (अनुच्छेद 12 से 35) हर नागरिक को बोलने की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा करने और संगठन बनाने का सरकार एवं कानून के सामने सभी नागरिकों को भेद रहित समानता और सम्मानपूर्व जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार यह मौलिक अधिकार देता है। उन्होंने बताया कि आरएसएस एवं भाजपा की राजनीति और व्यवस्था ओबीसी समाज को भ्रमित और गुमराह रखने पर आधारित है जाति आधारित जनगणना होने से ओबीसी की वास्तविक जनसंख्या सामने आएगी सामाजिक शैक्षणिक और आर्थिक असमानताओं का सच उजागर होगा इसी डर से कटक के अधिवेशन को साजिश करके षडयंत्र पूर्वक रोका गया है यह किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

इतना ही नहीं मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का मूल निवासी बहुजन जनता जवाब चाहती है उड़ीसा राज्य सरकार से केंद्र सरकार से संपूर्ण प्रशासनिक व्यवस्था से हम जवाब चाहते हैं। राष्ट्रपति से संज्ञान की अपेक्षा करते हैं अगर इन मौलिक अधिकारों की रक्षा नहीं की जाती है तो भारतीय संविधान केवल किताब बनकर रह जाएगा अधिकार केवल कागजों पर होंगे जमीन पर नहीं यह मामला संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का खुलेआम उल्लंघन है इसलिए राष्ट्रपति इस मामले में स्वयं हस्तक्षेप करें और प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री को संविधान की पालना के निदेश देते हुए बामसेफ एवं भारत मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अधिवेशन की परमिशन को तत्काल प्रभाव से पुनर्बहाल किया जाए तथा उड़ीसा की राज्य सरकार संविधान की शपथ लेकर आई हुई सरकार है। इसके बावजूद भी संविधान का उल्लंघन कर रही है जो किसी भी एंगल में संवैधानिक नहीं है। देश में संवैधानिक तंत्र की रक्षा हेतु तुरंत प्रभाव से उड़ीसा की राज्य सरकार को बर्खास्त किया जाए। ताकि देश के प्रत्येक नागरिक के मौलिक अधिकार को सुरक्षा हो सके। राधेश्याम चिरानिया, लीलाधर डिग्रवाल, विकाश आल्हा, मधु खन्ना, ममता गर्वा, अनीश वर्मा, सुरेश कुमार, अमन, मनोज महरिया, शेरसिंह महरमपुर, विकास, अनुराग, कैलाश दास महाराज, अंजू, किरण, बबीता कुमारी, सोमकांत, बनारसी देवी, संजू, मंजू देवी, सरिता देवी, सुनीता, किरण, गोकुल चंद्र माहिच, मोहनलाल कैप्टन, हरलाल सिंह बड़वासी, विक्रम सिंह सहित दर्जनों मूलनिवासी लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

हजारों महिलाओं ने लिया नशामुक्ति रैली में भाग

चंपालाल महाराज पर लोगों ने की पुष्पवर्षा

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय एन के लोहिया स्टेडियम से बुधवार को विशाल नशा मुक्ति रैली निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में महिलाओं और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मसानिया भैरव धाम-राजगढ़ अजमेर के मुख्य उपासक चंपालाल महाराज दोपहर में करीब साढ़े बजे भक्तों के बीच पहुंचे, जिसके साथ ही रैली शुरू हो पाई। लोहिया स्टेडियम से शुरू हुई रैली में हजारों की संख्या में महिलाओं ने कलश यात्रा के रूप में भाग लिया। गोपालपुरा प्रशासक सविता राठी ने बताया कि मसाणिया भैरव धाम स्थित मनोकामना स्तंभ की 23 वीं वर्ष गांठ के उपलक्ष में यह रैली निकाली गई। गाज बाजे के साथ निकाली गई रैली में चंपालाल महाराज रथ पर सवार होकर चल रहे थे। वहीं शहर भर में स्वागत द्वार बनाये गये। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर लोगों ने स्वागत किया। ईदगाह मस्जिद के पास जेसीबी पर बैठे श्रद्धालुओं ने महाराज पर और उसके बाद कलश यात्रा पर पुष्पवर्षा की। रैली के दौरान नशामुक्ति का संदेश देते हुए हाथों में तख्तिया लिए हुए महिलाएं भी चल रही थीं। वहीं अगुवाई में सभापति निलोफर गौरी, भाजपा नेता संतोष मेघवाल, नेता प्रतिपक्ष जय श्री दाधीच आदि भी रैली में शामिल हुए। उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा, डीएसपी दरजाराम बोस, सीआई बैगाराम मीणा भी प्रशासन की ओर से तैनात रहे। वहीं, हतियात के तौर पर बड़ी संख्या में पुलिस जाप्ता भी रैली के दौरान साथ में मौजूद रहा। रैली का विसर्जन रेलवे स्टेशन के पास हुआ, जहां पर विशल सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान भजन गायक अनिल मुंडेल, सुनीता स्वामी, राजकुमार स्वामी ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां दीं। वहीं चंपालाल महाराज ने उपस्थित जनों से कहा कि हमें नशामुक्त भारत बनाना है।

रामकथा : श्रीराम की बाललीलाओं से गूंज उठा जाखल, श्रद्धालु हुए भावविभोर

रामावतार सोनी

बुगाला (नवयत्न)। सौन्थलिया गेस्ट हाउस जाखल में चल रही दिव्य श्रीराम कथा के चौथे दिन पूरा वातावरण भक्तिरस से सराबोर हो उठा। कथावाचक पंडित दिनेशानन्द ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की बाललीलाओं, ताड़का वध, अहिल्या उद्धार एवं पावन गंगा अवतरण की कथा का ऐसा भावपूर्ण वर्णन किया कि श्रद्धालु भाव.विभोर हो उठे। पंडित दिनेशानन्द ने कहा कि भगवान श्रीराम की भक्ति हमें धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैए माता सीता की पवित्रता नारी शक्ति और मर्यादा का प्रतीक है, वहीं लक्ष्मण का भ्राता प्रेम त्याग, समर्पण और कर्तव्य का आदर्श उदाहरण है।

उन्होंने बताया कि रामकथा केवल कथा नहीं, बल्कि मानव जीवन को दिशा देने वाला दिव्य संदेश है। कथा के दौरान भगवान श्रीराम से जुड़ी मनमोहक झांकियां सजाई गईं, जिनके दर्शन मात्र से ही

श्रद्धालुओं का मन आनंद और भक्ति से भर उठा। जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा कथा स्थल गूंज उठा। चौथे दिन बुधवार को कथा के मुख्य यजमान भवानी सिंह राठौड़ दिलढ़ाणी वाले रहे, जिन्होंने विधि-विधान से पूजन कर कथा का पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर एडवोकेट नरेंद्र, महावीर सिंह, जितेंद्र सिंह, नरपत सिंह, संतोष सिंह टीटनवाड़, सुरेंद्र सिंह, मन्नालाल, भंवरलाल, मनोज सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

कैमिस्ट एसोसिएशन ने किया गुप्ता का स्वागत

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय शास्त्री प्याऊ के पास स्थित नवजीवन गार्डन में सुजानगढ़ कैमिस्ट एसोसिएशन द्वारा चूरू जिला कैमिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष पंकज गुप्ता का निरन्तर चोथी बार भारतीय जनता पार्टी राजस्थान का प्रदेश कोषाध्यक्ष बनने पर अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पंकज गुप्ता का अभिनंदन पत्र, शॉल, श्रीफल, साफा और पुष्पाहार से सम्मान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पंकज गुप्ता ने कहा कि कैमिस्ट एसोसिएशन के बीच आना उनको मायके जैसा सुख प्रदान करता हैं। उन्होंने कहा कि वो आज भी एक कैमिस्ट हैं। राजनीति उनके लिए जनसेवा का एक सर्वोत्तम माध्यम है। समारोह की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष भोमाराम बिजारणियां ने की । एसोसिएशन के जिला सचिव अनिल शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। सुमनेश शर्मा ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया। संरक्षक भगवतीप्रसाद नवहाल पूर्व जिला सचिव जितेंद्र शर्मा सरदारशहर, पार्षद डॉ. शर्मिला प्रकाश सोनी मंचस्थ थे। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम सारड़ा, वरिष्ठ कैमिस्ट माणक चंद खेतान, राजेश सुंदरियां, पूर्व पार्षद पवन माहेश्वरी, प्राचार्य रणवीर सिंह महरिया, राजकीय

अधिवक्ता श्याम सुंदर शर्मा, सरदारशहर के पूर्व वाइस चेयरमैन राजेन्द्र सोनी, डॉ. अविनाश पारीक, महावीर तंवर, पवन सैनी, एडवोकेट मनीष दाधीच, राजकुमार बेडा, प्रकाश भार्गव आदि ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन मरूदेश संस्थान के अध्यक्ष डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा ने किया।

संयुक्त निदेशक ने किया गौशाला का निरीक्षण

निसं

चिड़ासन (नवयत्न)। संयुक्त निदेशक शिवकुमार सैनी ने श्री जुगल दास गौशाला चनाना का निरीक्षण किया उनके साथ राजकीय पशुओं के डॉक्टर संजय ओला थे। सबसे पहले संयुक्त निदेशक ने रिकॉर्ड चैक किया उसके बाद में दोनों ने प्रत्येक गौवंश स्वास्थ्य की जानकारी ली। डॉ संजय ने बताया की लगभग सभी गौवंश स्वस्थ अवस्था में पाई गई । गौवंश को उनके पास में ही पानी पीने की खेली एवं चारा डालने की व्यवस्था को साफ सुथरा देखकर बहुत ही खुशी जाहिर की। बुधवार को गौवंश की सवामणी रोहिताश, मुकेश कुमार, सतवीर पुत्र स्वर्गीय परशुराम निवासी चनाना द्वारा बनाकर खिलाई गई की गई। ये सवामणी प्रतिदिन कोई न कोई भामाशाह करता ही रहता है और लगातार गायों को खिलाई जाती है। सवामणी को देखकर लोगों में जागृति आई है अब हर कोई सवामणी करने को तैयार है । इस प्रकार परंपरा की जानकारी संयुक्त निदेशक ने देखकर प्रशंसा भामाशाहों की। इस मौके पर पंचायत प्रशासक चरण सिंह धींवा, कप्तान श्रीराम धींवा, दिलीप नेहरा, प्रताप स्वामी, मानसिंह कस्वा, महावीर प्रसाद जांगिड़, राहुल दाधीच, सुनील धींवा, प्रभु राम धींवा, मनोहर लाल मेघवाल आदि उपस्थित थे।

राजीविका महिलाओं और विभाग के बेहतरीन समन्वय से ग्रामीण विकास को दें बढ़ावा : सुराणा

निसं

चूरू (नवयत्न)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने बुधवार को जिला परिषद सभागार में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन राजीविका की गतिविधियों व विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को समुचित दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि राजीविका गतिविधियों को बढ़ावा मिले तथा ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा तथा सुविधा व संसाधनों का विस्तार हो। राजीविका महिलाएं सुदृढ़ व शिक्षित ग्रामीण समाज के विकास में आधारभूत कड़ी है, इसलिए बेहतरीन विभागीय समन्वय से ग्रामीण विकास को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि राजीविका महिलाओं को डिजिटल मार्केटिंग का प्रशिक्षण समुचित ढंग से संचालित हो तथा नियमित मॉनीटरिंग व असेसमेंट किया जाए। उन्होंने कृषि सखी व पशु सखी आदि सखियों के कार्यों व गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कहा कि उनके द्वारा फील्ड में की जा रही कार्यों का एनालिसिस करें तथा कृषि सखी को कृषि पर्यवेक्षक व कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ संयोजित कर कृषि विकास तथा पशु सखी के पशुधन सहायकों, पशु चिकित्सा अधिकारियों के साथ समन्वय से पशुधन विकास गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि विभाग स्तर पर राजीविका महिलाओं को ऋण के लिए लंबित फाइलों को शून्य करें तथा महिलाओं को प्रोत्साहित कर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाएं। इसी के साथ नए एसएचजी निर्माण तथा उनकी पोर्टल पर अपडेशन, उद्यम रजिस्ट्रेशन, एफएसएसएआई रजिस्ट्रेशन सहित कार्य किए जाएं। जिला कलक्टर ने एसएचजी निर्माणए डिफंक्ट एसएचजी को रिवाइव करने, फंड वितरण, रिकॉन्सिलिएशन, बचत खाता खोले जाने, जेंडर पॉइंट पर्सन आईडेंटिफाई करने सहित राजीविका की गतिविधियों को लेकर चर्चा की और समुचित निर्देश दिए। उन्होंने विकास अधिकारियों को राजीविका के कार्यों व गतिविधियों की मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। सीईओ श्वेता कोचर ने राजीविका व ग्रामीण विकास अधिकारियों के समन्वय से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के लेकर निर्देश दिए। राजीविका डीपीएम दुर्गा ढ़ाका ने बैठक का संचालन करते हुए विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। इस दौरान सभी विकास अधिकारी व राजीविका के सभी बीपीएम मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सम्मेलन में रेडियो जेजेटी 90.4 एफएम की प्रभावी भागीदारी

निलेश मुद्गल

झुंझुनू (नवयत्न)। ऑल इंडिया कम्युनिटी रेडियो एसोसिएशन ए सी सी आर द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 2026 का आयोजन इंटीग्रेटेड सोशल इनिशि, टिव्स, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस राष्ट्रीय मंच पर राजस्थान भर से सामुदायिक रेडियो प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबरेवाला विश्वविद्यालय, झुंझुनू के रेडियो जेजेटी 90.4 एफएम की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सम्मेलन के पहले दिन रेडियो जेजेटी द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉल और प्रस्तुत की गई पीपीटी को प्रतिभागियों एवं विशेषज्ञों ने सराहा। रेडियो जेजेटी द्वारा शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूकता और ग्रामीण विकास से जुड़ी गतिविधियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। दूसरे दिन सम्मेलन में ए सी सी आर को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने तथा तकनीकी ज्ञान आदि विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर हनुमानगढ़ की माननीय न्यायाधीश मीनाक्षी अग्रवाल ने महिलाओं के भूमि अधिकार और कानूनी जागरूकता विषय पर अपने विचार साझा किए। वहीं भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक, लेखक एवं मेंटर हरेंद्र प्रताप सिंह ने रेडियो में स्क्रिप्ट और आवाज की भूमिका पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। सम्मेलन के दौरान यूथ फॉर एक्शन पुस्तक का विमोचन भी किया गया, जो युवाओं को सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रेरित करने पर केंद्रित है। इस पुस्तक में जेजेटीयू के सात युवा स्वयंसेवकों का भी योगदान शामिल है। ये सभी विद्यार्थी विश्वविद्यालय से जुड़े हैं, जिनमें-केतु सिंह बी.ए. शिक्षा, आंचल एम.ए. समाजशास्त्र, कल्पना बी.ए. शिक्षा, मनीषा बी.ए. शिक्षा, सचिन मीणा बी.सी.ए, मदन गोपाल बी.ए एवं रोहित झुरिया बी.सी.ए शामिल हैं। रेडियो जेजेटी की ओर से निदेशक रेडियो मंजरी ने सम्मेलन में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए विश्वविद्यालय की सामुदायिक रेडियो पहलों को राष्ट्रीय मंच पर मजबूती से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि रेडियो जेजेटी 90.4 एफएम किस प्रकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक सूचना, शिक्षा और सशक्तिकरण पहुँचाने का कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय सम्मेलन में रेडियो जेजेटी 90.4 एफएम और श्री जेजेटीयू को सराहा गया, जिससे विश्वविद्यालय की सामाजिक प्रतिबद्धता और राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका और अधिक सुदृढ़ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. विनोद टीबड़ेवाल, कुलपति डॉ. मधु गुप्ता, कुलसचिव डॉ. अजित कुमार, मुख्य वित्त अधिकारी डॉ. अमन गुप्ता, पीआरओ डॉ. रामनिवास सोनी ने सेमिनार के सफल आयोजन पर आयोजक को बधाई दी।

आम सूचना

मेरे मुव्वकिल बैंक ऑफ बड़ौदा, शाखा सरदारशहर में श्री हरिश बैद व सुरज करण बैद पुत्रगण लक्ष्मीपत बैद जाति ओसवाल निवासी आयुणा बाजार, बालिका विधालय के पास, कस्बा सरदारशहर ने अपनी आवासिय भुमि जरिये पट्टा सं. 00005 दिनांक 10-11-2025 पंजियन दिनांक 14-11-2025 की आथुणा बाजार, बालिका विधालय के पास, कस्बा सरदारशहर की 365.49 वर्ग मीटर की भुमि जो पट्टा सं 201 दिनांक 08-01-1932 के आधार पर श्री चांदमल, पुनमचन्द, रावतमल, मंगलचन्द के नाम से जारी किया गया था जिसको श्रीमती उमराव देवी, सारीका देवी, खुशी, दिपीका जैन, सरोज देवी, रमनदेवी ने मुख्त्यार आम नियुक्त कर राकेश कुमार बैद व राजेश कुमार बैद को अपना हिस्सा परित्याग कर दिया। जिसके आधार पर उक्त दोनों ने विक्रयपत्र दिनांक 23-02-2024 के आधार पर हरिश बैद व सुरज करण बैद का विक्रय कर दिया जिस पर उक्त दोनों ने नया पट्टा बनवा लिया जिसके आसापासा उतर में मकान सागरमल दफतरी दक्षिण में मकान उत्तमचन्द बैद पूर्व में रास्ता आम पश्चिम में बालिका विधालय भवन है, को रहन रख ऋण के लिए आवेदन किया है। किसी व्यक्ति, बैंक, अथवा वितिय संस्थान को कोई आपति हो तो इस विज्ञापन के प्रकाशन के सात दिन में कार्यालय समय में उपरोक्त बैंक अथवा मेरे कार्यालय में आपति पेश करे। अन्यथा बाद में आपति स्वीकार नहीं होगी। **एडवोकेट जगदीश प्रसाद माली, मो. 9549688804**

पांच ऐसी कैम्प साइट जो करेंगी आपकी करीब से हिमालय देखने की इच्छा को साकार

हिमालय उन लोगों के लिए स्वर्ग है, जो प्रकृति की खोज करने की लिए पहाड़ों पर जाना चाहते हैं। ऐसी जगहों को देखने का मजा तब और बढ़ जाता है जब यहां कैम्पिंग जाती है। रात के दौरान दोस्तों के साथ कैम्पिंग और बेहद खरीद दिखते तारे किसी और ही दुनिया में ले जाने पर मजबूर कर देते हैं।

भीमताल, उत्तराखंड में कैम्पिंग

यह मंत्रमुग्ध कर देने वाला पर्यटन स्थल समुद्र तल से 1370 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जो हिमालय में कैंपिंग के लिए एक बेहतरीन जगह है। भगवान शिव को समर्पित भीमेश्वर महादेव मंदिर जैसे प्राचीन मंदिरों के साथ सुंदर भीमताल झील इस जगह का प्राथमिक आकर्षण है। यह स्थान पहाड़ियों और जंगलों से घिरा हुआ है, जहां कैम्पिंग के दौरान आप चांद सितारों को बेहद करीब से देख सकते हैं। कैम्पिंग के लिए ये जगह एकदम बेस्ट मानी जाती है। यहां आप आसपास के क्षेत्रों में घूमने और मछली पकड़ने जैसी एक्टिविटी भी चुन सकते हैं।

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में कैम्पिंग

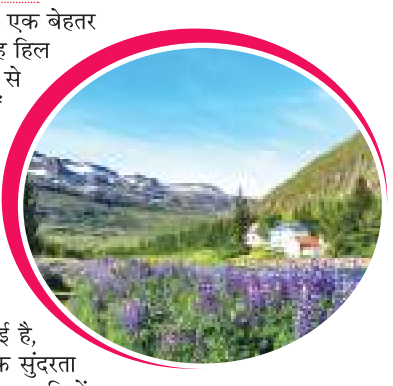

धर्मशाला में कैम्पिंग आपको प्रकृति का अनुभव कराने के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करता है। कांगड़ा जिले की पहाड़ियों में बसा यह हिल स्टेशन अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। बर्फ से ढकी धौलाधार पर्वत श्रृंखला के साथ, धर्मशाला को हिमालय में विभिन्न ट्रैकिंग मार्गों के प्रवेश द्वार के रूप में भी जाना जाता है। पर्यटकों के बीच सबसे लोकप्रिय ट्रैक त्रिउंड ट्रैक है, जो त्रिउंड चोटी तक पहुंचने में लगभग पांच घंटे का समय लेता है, जहां आप अपना कैम्प लगा सकते हैं। यहां का कैम्पिंग अनुभव बेहद ही अलग होता है।

फूलों की घाटी, उत्तराखंड में कैम्पिंग

फूलों की घाटी गढ़वाल हिमालय में 88 वर्ग किमी में फैली हुई है, और अपने अल्पाइन फूलों के लिए प्रसिद्ध है। अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाने वाला यह स्थान घास के मैदानों, झरनों और वनस्पतियों और जीवों की किस्मों से सुशोभित है। यदि आप यहां कैंपिंग का अनुभव करने के इच्छुक हैं, तो इस स्थान पर जाने का सबसे अच्छा समय जुलाई के मध्य से अगस्त के अंत तक है, जब घाटी अपने अलग ही रंग में होती है। हालांकि, आपको फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान के अंदर शिविर लगाने की अनुमति नहीं होगी, निकटतम कैम्पिंग साइट घांघरिया का सुरम्य गांव होगा, जो कुछ किलोमीटर दूर स्थित है।

सांगला घाटी, हिमाचल प्रदेश में कैम्पिंग

हालांकि सांगला घाटी कम प्रसिद्ध कैंपिंग स्थलों में से एक है, लेकिन यह स्थान आपको निराश नहीं करेगा। समुद्र तल से 2600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस घाटी की पृष्ठभूमि में राजसी किन्नर कैलाश शिखर है। घाटी चीड़, देवदार, सेब, अखरोट और इसके चारों ओर खूबानी के पेड़ों से घिरी हुई है। इसलिए, यदि आप यहां कैंपिंग का अनुभव करने की योजना बना रहे हैं, तो यहां आपको वो सब चीज मिलेगी जो आपके अनुभव को और मजेदार बना देगी।

कुल्लू, हिमाचल प्रदेश में कैम्पिंग

कुल्लू एक और गंतव्य है, जहां कोई भी एक बेहतरीन कैंपिंग का आनंद ले सकता है। यहां आप दिन भर की ट्रैकिंग के बाद शाम में कैम्पिंग कर सकते हैं। साथ ही कुल्लू सर्दियों में भी कैम्पिंग करने के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। आप यहां अपने दोस्तों के साथ एक अच्छा समय बिता सकते हैं। इसके अलावा, कुल्लू विभिन्न मार्गों के लिए भी जाना जाता है, तो कम से कम एक जगह को एक्सप्लोर तो जरूर करें।

भारत के पांच सबसे मुश्किल और खतरनाक ट्रैक उन लोगों के लिए जिन्हें लगता है डर के आगे जीत हैं

इसमें कोई दो राय नहीं है कि द ग्रेट हिमालयन रेंज दुनिया के कुछ सबसे रोमांचकारी ट्रैकिंग मार्गों का घर है। लद्दाख का जांस्कर नदी ट्रैक से लेकर गोचला ट्रेल पर माउंटेन कंचनजंगा की सुंदरता को निहारने तक, भारत में कई ऐसे कठिन और खतरनाक ट्रैक हैं जो एडवेंचर्स लवर्स को बेहद आकर्षित करते हैं।

चादर ट्रैक, लद्दाख : जब आप गूगल पर सर्च करेंगे कि भारत का सबसे अधिक चैलेंजिंग ट्रैक कौन सा है, तो आपको सर्चिंग लिस्ट में सबसे ऊपर लद्दाख का चादर ट्रैक ही दिखेगा। चादर ट्रेक या फ्रोजन रिवर एक्सपेडिशन भारत में सबसे अनोखे और चुनौतीपूर्ण ट्रेक में से एक है। लद्दाख में जमी हुई ज़ांस्कर नदी के पार 6 दिन का चादर ट्रेक जनवरी के शुरुआत से फरवरी के अंत तक या कभी-कभी मार्च के पहले सप्ताह में भी यहां ट्रैकिंग करने में मजा आता है। यहां की ट्रैकिंग मौसम पर भी निर्भर करती है। बेस कैंप के लिए आपके चादर ट्रेक का शुरुआती बिंदु चिलिंग है। ज़ांस्कर पहुंचने के लिए आप लेह-श्रीनगर हाइवे की मदद ले सकते हैं, जांस्कर से थोड़ा आगे चिलिंग है।

स्टोक कांगड़ी ट्रैक, लद्दाख : हेमिस नेशनल पार्क, लद्दाख में स्थित, स्टोक कांगड़ी समुद्र तल से 20,190 फीट ऊंचा है। यह इसे हिमालय की स्टोक रेंज का सबसे ऊँचा पर्वत भी बनाता है, जहां से आप ज़ांस्कर और सिंधु घाटी का शानदार दृश्य देख सकते हैं।

आठ दिनों तक चलने वाले इस ट्रेक को जो चीज मुश्किल बनाती है, वह ऊंचाई नहीं बल्कि ऑक्सीजन की कमी है जो मतली, थकान और सिरदर्द का कारण बनती है। हालांकि, ट्रैक की योजना बनाने का सबसे अच्छा समय जून से सितंबर के बीच है।

पिन पार्वती दर्रा, कसौली : पार्वती घाटी हिमाचल प्रदेश में सबसे साहसिक और सुरम्य ट्रेकिंग स्थलों के रूप में जानी जाती है। पिन पार्वती दर्रा चुनौतीपूर्ण रोमांच चाहने वाले ट्रेकर्स के लिए एक परफेक्ट डेस्टिनेशन के रूप में कार्य करता है। 110 किमी लंबी पगडंडी आपको ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क, खीरगंगा, मंतलाई और पिन पार्वती दर्रे के घने जंगलों में ले जाती है, जो विशेष रूप से मानसून के दौरान ट्रैक का सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा है। लेकिन फिर यह एक ऐसा अनुभव भी है जिसे ट्रेकर्स मिस नहीं करना चाहेंगे। 11 दिन का ये ट्रैक बर्शेनी से शुरू होता है और यात्रा करने का सबसे अच्छा समय जुलाई से सितंबर तक होता है।

गोइचा ला ट्रैक, सिक्किम : सिक्किम के युकसोम से शुरू होने वाले इस ट्रैक में आप हिमालय के कुछ सबसे खूबसूरत नजारे देख सकते हैं। गोचला ट्रैक अपने चुनौतीपूर्ण इलाके और रिज के लिए बड़ी संख्या में ट्रेकर्स के बीच पसंदीदा ट्रैक में से एक है। मंत्रमुग्ध कर देने वाले सूर्योदय और सूर्यास्त से लेकर, शानदार बर्फ से ढके पहाड़ों, सुंदर नदियों का अंतहीन दृश्य बेहद ही खूबसूरत लगता है। ओंगलकथांग घाटी के तल पर स्थित सुंदर समिति झील ट्रेक का एक और प्रमुख आकर्षण है।

ऑडनेंस कोल, गंगोत्री

उत्तराखंड का ड्रीम ट्रेक गंगोत्री से शुरू होता है और नाला कैंप और गढ़वाल के घने जंगलों से होकर गुजरता है। 18,010 फीट की ऊंचाई पर स्थित, यह गढ़वाल हिमालय की सबसे ऊंची पर्वत चोटियों में से एक है। यह रुद्रगैरा और भिलंगना घाटियों को जोड़ता है, और रुदुगैरा पीक, ऑडेन कोल पास और जोगिन पीक के कुछ सबसे आश्चर्यजनक दृश्य प्रस्तुत करता है।

इतिहास में रुचि रखने वालों के लिए गुरुग्राम में और उसके आसपास मौजूद हैं ये ऐतिहासिक जगह

हम जब भी गुरुग्राम के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले आपके दिमाग में वहां की ऊंची-ऊंची इमारतें और बिज़नेस हब सामने आने लगता है। यहां के शानदार मॉल, ट्रेंडी रेस्टोरेंट, आकर्षक नाइटक्लब हम सब को बेहद आकर्षक करते हैं। शायद इसीलिए कई पर्यटक गुड़गांव को ऐतिहासिक महत्व वाली जगह नहीं मानते। हालांकि, गुड़गांव और उसके आसपास कुछ ऐतिहासिक स्थान हैं जो देखने लायक हैं। अगर आप वीकेंड पर गुरुग्राम में घूमने की प्लानिंग कर रह हैं, तो क्यों न पहले यहां की कुछ ऐतिहासिक जगहों को एक्सप्लोर कर लिया जाए और फिर ही आप कहीं और घूमने की योजना बनाएं।

चर्च ऑफ एपिफेनी, गुड़गांव

एक शांत इलाके में स्थित, चर्च ऑफ एपिफेनी 150 से अधिक वर्षों से यहां स्थित है। बहुत पहले 1866 में, इस सुंदर चर्च को कलकत्ता के बिशप द्वारा प्रतिष्ठित किया गया था। चर्च शुरू में उस समय के दौरान इस क्षेत्र में सेवा करने वाले ब्रिटिश अधिकारियों के एक छोटे समूह के लिए बनाया गया था। एक बार जब आप मुख्य भवन तक जाएंगे, तो आपको औपनिवेशिक युग की सजावट देखने को मिलेगी। इसकी ऊंची खिड़कियां, छोटी घंटी टॉवर और ढलान वाली छतें, सभी एक पुराने विश्व आकर्षण को उजागर करते हैं।

फरुखनगर किला, गुड़गांव : फरुखनगर किला की उत्पत्ति फरुखनगर के पहले नवाब फौजदार खान से हुई है। उन्होंने इसे 1732 में एक भव्य गढ़ के रूप में बनवाया था। यह एक विशाल अष्टकोणीय संरचना है, जो वास्तुकला की मुगल शैली के तत्वों को प्रदर्शित करती है। किले की सबसे प्रभावशाली विशेषताओं में दिल्ली दरवाजा या दिल्ली गेट है। आज, किला का अधिकांश भाग खंडहर में है, लेकिन यह अभी भी गुड़गांव के शीर्ष ऐतिहासिक स्थानों में से एक है।

शीश महल, गुरुग्राम : इसमें कोई शक नहीं है कि शीश महल गुड़गांव में घूमने के लिए सबसे अच्छी ऐतिहासिक जगहों में से एक है। इस महल का निर्माण फौजदार खान ने 18वीं सदी के शुरूआती दौर में करवाया था। दो मंजिला संरचना के रूप में डिज़ाइन किया गया यह महल सुंदर बारादरी या गुम्बजदार इमारत का दावा करता है, जिसमें कम से कम 12 प्रवेश द्वार हैं। शीशों के साथ जड़ी हुई चीजें इस महल के अंदरूनी हिस्सों को सुशोभित करते हैं। इस डिजाइन की वजह से इस महल का नाम शीश महल रखा गया है। महल परिसर में फरुखनगर के शहीदों के लिए बनाया गया एक स्मारक भी है, जिन्होंने स्वतंत्रता के लिए 1857 के विद्रोह में भाग लिया था।

सेठानी की छतरी, गुडगांव : सेठानी की छतरी एक सुंदर स्मारक है जिसे दो मंजिला छतरी या गुंबद के आकार के मंडप के रूप में डिजाइन किया गया है। साथ ही इस संरचना में आप फूलों की चित्रकारी भी देख सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि यह स्थान एक व्यापारी की पत्नी के लिए बनाया गया था। भित्तिचित्रों और शिलालेखों से सजाया गया, सेठानी की छतरी निश्चित रूप से गुड़गांव के ऐतिहासिक स्मारकों में से एक है।

बाओली घौस अली शाह, गुरुग्राम : बाओली गौस अली शाह फरुखनगर किले के पास स्थित एक 18 वीं शताब्दी की बाओली है। यह गौस अली शाह नाम के एक स्थानीय प्रमुख द्वारा बनाया गया था और इसलिए इसका नाम बावली घौस अली शाह रखा गया है। यह एक अष्टकोणीय बाओली है जो तीन मंजिला गहरी है। बरामदे, मेहराब, और कई पत्थरों से बनाई गई सीढ़ियों के साथ, बाओली गौस अली शाह संरचना में तुर्की हम्माम जैसा दिखता है।

बादशाहपुर किला और बावली, गुड़गांव : बादशाहपुर फोर्ट गुड़गांव के पास कम प्रसिद्ध किलों में से एक है। बादशाहपुर किला के नाम से भी जाना जाने वाला यह किला मुगल काल का है। यह अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर की पत्नियों में से एक के निवास के रूप में कार्य करता था, जो अक्सर अपनी बेगम से मिलने के लिए यहां आते थे। यह ऐतिहासिक किला आज अपनी बहुत सारी भव्यता और वैभव खो चुका है और खंडहर की स्थिति में बना हुआ है। लेकिन आप अभी भी पीर बाबा की मजार और परिसर के अंदर एक सुरंग देख सकते हैं।

दिगंबर मंदिर, गुड़गांव : गुड़गांव में दिगंबर मंदिर मुगल शासन के दौरान बनाया गया एक जैन मंदिर है। यह मंदिर 17 वीं शताब्दी में बनाया गया था, साथ ही अपने शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है। यह पूजा स्थल जैनियों के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर को समर्पित है। मंदिर परिसर के अंदर एक किताबों की दुकान है जहाँ आप जैन धर्म से संबंधित कई कलाकृतियाँ और अध्ययन सामग्री देख सकते हैं।

ये हैं भारत के कुछ सबसे अमीर मंदिर, जहां किया जाता है लाखों करोड़ों का दान

भारत में मंदिर देश की समृद्ध धार्मिक विरासत को दर्शाते हैं। देशभर में 500,000 से अधिक मंदिर हैं, जिनमें से कई को अत्यधिक आस्था और चमत्कार के रूप में जगह दी गई है। भारत में हिन्दुओं की आस्था मंदिर में विराजमान भगवान से इस कदर जुड़ी हुई है कि वो अपनी इच्छाओं को पूरा करवाने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। यही कारण है कि भक्त अपनी श्रद्धा और भक्ति के लिए मंदिरों में लाखों रुपए, सोना, चांदी आदि दान करते हैं।

त्रिवेंद्रम में पद्मनाभ स्वामी मंदिर : पद्मनाभ स्वामी मंदिर भारत का सबसे अमीर मंदिर है। ये मंदिर तिरुवनंतपुरम् शहर के बीच स्थित है। इस मंदिर की देखभाल त्रावणकोर के पूर्व शाही परिवार द्वारा की जाती है। केरल के तिरुवनंतपुरम में स्थित, इसके खजाने में हीरे, सोने के गहने और सोने की मूर्तियां शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, मंदिर की 6 तिजोरियों में कुल 20 अर्ब डॉलर की संपत्ति है। यही नहीं, मंदिर के गर्भग्रह में भगवान विष्णु की बहुत बड़ी सोने की मूर्ती विराजमान है, जिसकी कीमत 500 करोड़ रुपए है।

आंध्रप्रदेश में तिरूपति बालाजी का मंदिर : सूची में दूसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश का तिरुपति मंदिर है। भारत में वैष्णव संप्रदाय का मंदिर, तिरुपति दान के मामले में दुनिया का सबसे अमीर मंदिर है। इस मंदिर की वास्तुकला देखने लायक है। भक्त यहां हर साल लगभग 600 करोड़ रुपये दान के रूप में देते हैं। तिरूपति मंदिर भगवान वेंकटश्वर को समर्पित है, जिन्हें विष्णुजी का अवतार माना जाता है। ये मंदिर समुद्र तल से 2800 फिट की ऊंचाई पर स्थित है। शायद आप ये बात जानते न हो कि वर्ष 2010 में तिरुमाला तिरुपति मंदिर ने भारतीय स्टेट बैंक के पास ब्याज के लिए 1175 किलो सोना जमा था। मंदिर में एकता कपूर और बच्चन परिवार जैसे अमीर और प्रसिद्ध भक्त दर्शन करने के लिए यहां आते हैं। बहुत दिलचस्प बात यह है कि बाल मुंडन, जो इस मंदिर के आवश्यक अनुष्ठानों में से एक है, भी एक महत्वपूर्ण राजस्व उत्पन्न करने वाली गतिविधि है।

शिरडी में सांई बाबा मंदिर : सूची में तीसरे स्थान पर शिरडी, महाराष्ट्र में साईंबाबा मंदिर है। रिपोर्टों के अनुसार, मंदिर के बैंक खाते में 380 किलो सोना, 4,428 किलो चांदी और डॉलर और पाउंड जैसी विदेशी मुद्राओं के रूप में बड़ी मात्रा में धन के साथ-साथ लगभग 1,800 करोड़ रुपये हैं। 2017 में रामनवमी के अवसर पर एक अज्ञात भक्त द्वारा 12 किलो सोना दान किया गया था। साथ ही, हर साल लगभग 350 करोड़ का दान आता है।

जम्मू में वैष्णो देवी मंदिर : वैष्णो देवी मंदिर को देश के सबसे पवित्र स्थानों में से एक माना जाता है। भारत में मान्यता प्राप्त शक्ति पीठ मंदिरों में से एक है। ट्रैवल गाइड टूर माई इंडिया के अनुसार, इस मंदिर से हर साल 500 की वार्षिक आय होती है, जो इसे देश के सबसे धनी मंदिरों में से एक बनाती है। प्रियंका चोपड़ा, कंगना रनौत और दीपिका पादुकोण जैसी बॉलीवुड हस्तियां इस पवित्र मंदिर में दर्शन करने के लिए आते हैं।

मुंबई में सिद्धिविनायक मंदिर : भगवान गणेश को समर्पित, मुंबई में सिद्धिविनायक मंदिर देश के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। बॉलीवुड के मशहूर हस्तियों से लेकर बिजनेस टायकून तक, यहां कई मशहूर हस्तियां देखी जाती हैं। ऐसा माना जाता है कि गणपति जितनी जल्दी प्रसन्न होते हैं उतनी ही जल्दी कुपित भी होते हैं। आपको बता दें इस मंदिर को 3.7 किलोग्राम सोने से कोट किया गया है, जिसे कोलकाता के एक व्यापारी ने दान किया था। रिकॉर्ड के अनुसार, मंदिर सालाना लगभग 125 करोड़ कमाता है, जिसमें अमीर देशवासियों द्वारा किया गया भारी दान भी शामिल है।

गुजरात में सोमनाथ मंदिर : गुजरात का सोमनाथ मंदिर सोमनाथ मंदिर हमेशा देश के सबसे अमीर मंदिरों में से एक रहा है, यही वजह है कि महमूद गजनी द्वारा सोने और चांदी के संग्रह के लिए इसे 17 बार लूटा गया है। इस मंदिर को आज भी गुजरात में एक समृद्ध मंदिर के रूप में गिना जाता है।

भारत की इन सांस्कृतिक जगहों पर एक बार घूमने का जरूर बनाएं प्लान, घुमक्कड़ों के लिए है बेस्ट

भारत विवधता वाला देश है, यहां घूमने के लिए समुद्र-रेगिस्तान, नदी-तालाब, पहाड़ और ढ़रों जगह। भारत में हर जगह अलग-अलग कल्चर देखने को मिल जाएगा। हर शहर की अपनी अलग भाषा, सांस्कृति, अलग पहनावा है।

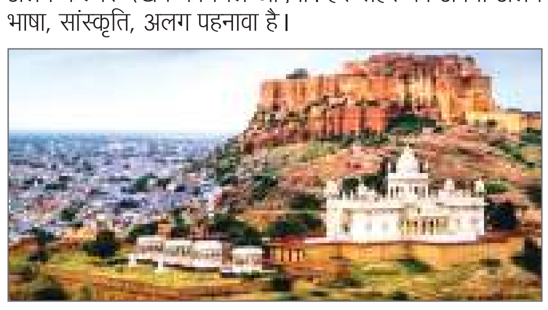

राजस्थान

ये शहर देखने के बाद ही आपको यहां की संस्कृति देखने को मिल जाएगी। ड्रेसिंग सेंस से लेकर घरों के रंग तक, इस राज्य के बारे में सब कुछ बेहद खूबसूरत है। ऐतिहासिक महलों के साथ सभी किलों को एक साथ देखना मुश्किल है। अगर राजस्थान जाएं तो दाल, बाटी, चूरमा जरूर खाएं।

लखनऊ

इस शहर को नवाबों का शहर कहा जाता है। शहर की कला और साहित्य को शब्दों में बता पाना मुश्किल है। लखनऊ की वास्तुकला, जो दिल्ली सल्तनत, मुगलों, नवाबों के साथ साथ अंग्रेजों से काफी प्रभावित रही है, वही इसे भारत का रोम बनाती है। यहां घूमने जा रहे हैं, तो मुगल खाने का स्वाद जरूर चखें। यहां घूमने के लिए बड़ा इमामबाड़ा, रूमी दरवाजा, ब्रिटिश रेजीडेंसी परिसर जैसी जगहों को एक्सप्लोर जरूर करना चाहिए।

अमृतसर

साल 1574 में अमृतसर शहर की स्थापना हुई थी। ये जगह सिख संस्कृति का केंद्र है। यहां का सबसे फेमस पर्यटन स्थल है, गोल्डन टेम्पल, जलियांवाला बाग और वाघा बॉर्डर। जहां एक जगह मन की शांति मिलेगी तो वहीं दूसरी जगह उपनिवेशवाद की दुर्दशा देखने को मिलेगी। वहीं वाघा बॉर्डर की हवा में आपको एनर्जी महसूस होगी। इसके अलावा, यहां का स्वादिष्ट भोजन आपका मन मोह लेगा। लस्सी, अमृतसरी मछली, छोले भटूरे खाने के बाद आपको मजा आ जाएगा। हालांकि एक दिन गोल्डन टेंपल में लंगर का आनंद भी जरूर लें।

कोलकाता

सिटी ऑफ जॉय कहा जाता है कोलकाता को, यहां मिलने वाली मिठाईयों से तो हर कोई वाखिफ है। इस शहर को सांस्कृतिक इतिहास के कारण भारत की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाता है। ये शहर अपने समृद्ध साहित्य के लिए जाना जाता है। यहां घूमने के लिए विक्टोरिया मेमोरियल, साइंस सिटी, हावड़ा ब्रिज और कई अन्य जगह हैं। शहर किसी भी समय घूमने के लिए एक खूबसूरत जगह है, हालांकि कोलकाता में दुर्गा पूजा एक ऐसा अनुभव है जिसे आप कभी नहीं भूल सकते।

मैसूर

कर्नाटक में स्थित मैसूर तो कर्नाटक की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाता है। यहां आपको मैसूर पैलेस, ललिता महल और चामुंडी हिलटॉप मंदिर अवश्य जाना चाहिए। विजयनगर साम्राज्य पर सभी वास्तुकला और चित्रों का भारी प्रभाव है। इसके अलावा दशहरे के दौरान मैसूर जाने की सलाह दी जाती है।

सुबह उठने के बाद शरीर में दर्द क्यों होता है? इसके ये कारण

सुबह उठने के बाद शरीर में दर्द क्यों होता है? शरीर में दर्द होना एक सामान्य समस्या है। अकसर ही लोग शरीर में होने वाले दर्द से परेशान रहते हैं। वैसे तो शरीर में दर्द किसी भी समय हो सकता है। लेकिन कुछ लोगों को सुबह उठने के बाद शरीर में दर्द का अनुभव होता है। आपको बता दें कि सुबह उठने के बाद शरीर में दर्द कई कारणों से हो सकते हैं।

खराब क्वालिटी वाला गद्दा

अगर आप रात में खराब क्वालिटी वाला गद्दा चुनते हैं, तो सुबह उठने के बाद शरीर में दर्द महसूस हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो खराब क्वालिटी वाले गद्दू में सोने से आपको शरीर में दर्द का अनुभव हो सकता है। इसलिए आपको सोने के लिए हमेशा कंफर्टेबल गद्दे का ही चुनाव करना चाहिए। अगर आप सही गद्दे का चुनाव करेंगे, तो शरीर के दर्द से बच सकते हैं। खराब क्वालिटी वाले गद्दे में सोने से आपको कमर या पीठ दर्द का ज्यादा अहसास हो सकता है।

सोने की पोजिशन

रातभर गलत पोजिशन में सोने से भी आपको शरीर में दर्द हो सकता है। अगर आप रात में गलत पोजिशन में सोएंगे, तो सुबह उठने के बाद शरीर में दर्द का अनुभव हो सकता है। कई बार

लोग सिर के नीचे हाथ रखकर सोते हैं, ऐसे में उन्हें गर्दन या हाथ में दर्द हो सकता है। इसके अलावा अगर आप सुबह उठने के बाद अचानक से खड़े हो जाते हैं, तो आपके कमर पर खिंचाव आ सकता है, जिससे दर्द का अनुभव हो सकता है। आपको पेट के बल सोने से भी बचना चाहिए। अगर आपको पीठ में दर्द रहता है, स्लीप एपनिया है या एसिडिटी रहती है, तो करवट लेकर सोना अधिक फायदेमंद हो सकता है। आपको बता दें कि नींद की खराब पोजिशन मांसपेशियों में दर्द पैदा कर सकता है।

अधिक वजन उठाना

अगर आपका जागने के तुरंत बाद कोई भारी वजन वाला सामान उठा लेते हैं, तो आपको शरीर में दर्द का अनुभव हो सकता है। अधिक वजन उठाने से पीठ, कमर और गर्दन पर दबाव पड़ सकता है। इससे आपको पैरों और कमर में दर्द हो सकता है। इसलिए आपको भारी सामान उठाने से बचना चाहिए।

अधिक वजन

अगर आपका वजन सामान्य से अधिक है, तो आपको नींद में सांस लेने में तकलीप हो सकती है। इससे नींद की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। जब रात में सही से नींद नहीं आती है, तो ऐसे में सुबह उठने के बाद आपको शारीरिक दर्द का अनुभव करना पड़ सकता है। इसके अलावा जिन लोगों का वजन कम होता है।

स्लीप ब्रीदिंग डिसऑर्डर

स्लीप ब्रीदिंग डिसऑर्डर भी शरीर में दर्द का कारण बन सकता है। दरअसल, जब किसी व्यक्ति को स्लीप ब्रीदिंग डिसऑर्डर होता है, तो व्यक्ति सोते समय सांस लेना बंद कर सकता है। इससे शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। ऐसे में ऑक्सीजन के बिना शरीर पूरी तरह से रिपेयर नहीं हो पाता है, जिससे जब आप सुबह उठते हैं तो आपको शरीर में दर्द हो सकता है।

मेडिकल कंडीशन

अगर आप किसी मेडिकल कंडीशन से परेशान हैं, तो भी आपको सुबह उठने के बाद शरीर में दर्द का अनुभव हो सकता है। निमोनिया, क्रोनिक फटीग सिंड्रोम, गठिया सुबह उठने के बाद शरीर में होने वाले दर्द का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा वायरस, संक्रमण, तनाव, चिंता, डिहाइड्रेशन, विटामिन डी की कमी के कारण भी शरीर में दर्द हो सकता है।

सर्दियों में बढ़ जाती है डैंड्रफ की समस्या, छुटकारा पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू उपाय

सर्दियां आते ही डैंड्रफ की समस्या शुरू हो जाती हैं। बालों पर डैंड्रफ की समस्या के कारण बाल तेजी से झड़ने लगते हैं और बाल रूखे भी हो जाते हैं। डैंड्रफ की वजह से कई लड़कियां मनपसंद हेयर स्टाइल बनाने से भी हिचकने लगती है। सर्दियों में डैंड्रफ की समस्या इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि इस समय हवा में ड्राईनेस होती है, जो स्कैल्प में मौजूद नमी को छीन लेती है और इस समय स्कार्फ और कैप लगाने की वजह से भी सिर को पर्याप्त हवा नहीं मिल पाती जिससे सिर में रूसी बढ़ जाती है। ऐसे में इस समस्या को दूर करने के लिए कई लोग केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स का ज्यादा इस्तेमाल करने लगते हैं। इन प्रोडक्ट्स का ज्यादा इस्तेमाल बालों को नुकसान पहुंचाते हैं और इनके इस्तेमाल से कई बार डैंड्रफ भी कम नहीं होता।

ऐसे में सर्दियों में डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए इन घरेलू उपायों की मदद ली जा सकती हैं। ये घरेलू उपायों से डैंड्रफ की समस्या दूर होगी और बाल मजबूत, चमकदार भी बनेंगे।

सेब का सिरका : सेब का सिरका बालों में डैंड्रफ की समस्या को आसानी से दूर करता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए एक स्प्रे बॉटल में एक कप पानी और आधा कप सिरका डालकर मिक्स करके रखें। अब इस मिश्रण को रात में सोने से पहले बालों में इस मिश्रण से स्प्रे करें। सुबह उठकर बालों को शैंपू कर लें। ऐसा करने से डैंड्रफ की समस्या दूर होगी और बाल मजबूत भी बनेंगे।

नींबू का रस : नींबू का रस शरीर के साथ बालों के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसके इस्तेमाल से डैंड्रफ की समस्या को आसानी से दूर किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए गुनगुने नारियल के तेल या सरसों के तेल में एक नींबू के रस को मिलाकर मिक्स करें। अब इस मिश्रण को स्कैल्प की हल्के हाथों से मसाज करें।

2 से 3 घंटे बाद बालों को शैंपू से वॉश करें। लेकिन ध्यान रखें नींबू के रस को बालों में ज्यादा इस्तेमाल न करें।

एलोवेरा : औषधीय गुणों से भरपूर एलोवेरा स्किन के साथ बालों के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद एंटी बैक्टीरियल और एंटी वायरल गुण डैंड्रफ की समस्या को आसानी से दूर करते हैं। इसका इस्तेमाल करने के लिए एलोवेरा जैल को निकालकर स्कैल्प पर लगाएं और 15 से 20 मिनट के बाद बालों को वॉश करें। ऐसा करने से बाल चमकदार बनने के साथ डैंडफ भी दूर होगा।

नारियल के तेल में कपूर : नारियल के तेल में कपूर मिलाकर लगाने से डैंड्रफ की समस्या आसानी से दूर होती है। इसका इस्तेमाल करने के लिए नारियल के तेल को हल्का गुनगुना करें। उसके बाद उसमें कपूर को मिलाकर मिश्रण बनाएं। अब इस मिश्रण को बालों की जड़ों में लगाकर 30 मिनट तक रखें। उसके बाद बालों को शैंपू कर लें। ऐसा करने से डैंड्रफ दूर होगा।

नीम : नीम के पत्ते गुणों से भरपूर होते हैं। डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए नीम के पत्तों को अच्छे से पानी में उबाल लें। जब पानी का रंग बादल जाएं, तो इस पानी को स्पे बॉटल में भर लें।

अब रात को सोने से पहले इस पानी को बालों में लगाएं। सुबह उठने के बाद बालों को शैंपू कर लें। ऐसा करने से डैंड्रफ की समस्या आसानी से दूर होगी।

धीरे-धीरे बढ़ते हैं बाल? जल्दी बाल लंबे करने के ये घरेलू नुस्खे

हम सभी चाहते हैं कि हमारे बाल मजबूत, लंबे, घने और शाइनी बनें। लेकिन खराब जीवनशैली और शरीर में पोषण की कमी, प्रदूषण, केमिकल युक्त हेयर केयर प्रोडक्ट्स का प्रयोग आदि जैसे कई कारणों की वजह से लोग आए दिन बालों से जुड़ी कई समस्याओं से जूझते हैं, जिनमें हेयर फॉल, डैंड्रफ, ड्राई और फ्रिजी हेयर और गंजापन जैसी समस्याएं बहुत आम हैं। इसके साथ ही अक्सर हम देखते हैं कि लोगों के बाल बढ़ना बंद हो जाते हैं, या फिर बहुत धीरे-धीरे बढ़ते हैं, साथ ही जब उनके बाल झड़ते हैं तो उनकी जगह पर नए बाल नहीं उगते हैं। बालों को जल्दी बढ़ाने के लिए लोग बाजार में मौजूद महेंगे-महेंगे शैंपू, तेल और हेयर मास्क आदि का प्रयोग करते हैं, लेकिन ये केमिकल से भरपूर होते हैं, जिससे यह आपके बालों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

बालों में भृंगराज तेल लगाएं : बालों के लिए भृंगराज सबसे लाभकारी औषधि मानी जाती है। बालों के लिए प्रयोग किए जाने वाले ज्यादातर हेयर केयर प्रोडक्ट्स में भृंगराज का प्रयोग मुख्य सामग्री के रूप में किया जाता है। सर्दियों से इसका प्रयोग बालों से जुड़ी समस्याओं को दूर करने और बालों के विकास को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। आप बालों में एक अच्छा और प्राकृतिक भृंगराज तेल लगा सकते हैं। आप चाहें तो नारियल या सरसों तेल में भृंगराज के फूल को पीसकर पका सकते हैं, फिर इसे बालों में लगा सकते हैं। कोशिश करें कि सप्ताह में 2-3 बार बालों में 4-5 घंटे के लिए जरूर लगाएं।

बालों में आंवला लगाएं : विटामिन सी, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर आंवला बालों के विकास में बहुत लाभकारी है। आप 1-2 चम्मच आंवला पाउडर या 2 आंवला फल को पीसकर, गर्म नारियल या सरसों के तेल में मिलाकर बालों में लगा सकते हैं। कोशिश करें कि कुछ मिनट के लिए तेल में आंवला को पका लें। ठंडा होने के बाद इसे बालों में लगाएं, स्कैल्प की मालिश करें। 3-4 घंटे बाद धो लें। यह स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाएगा, बालों के रोम को पोषण देगा, डैंड्फ और फंगस को साफ करेगा और जल्दी बाल बढ़ाएगा।

करी पत्ता और मेथी का तेल लगाएं : आप सरसों या नारियल तेल में तेज 7-8 करी पत्ते को गर्म करके, इसमें रात भर भीगे मेथी के बीज पीसकर डालें अच्छी तरह गर्म करें, फिर ठंडा हो जाने के बाद स्कैल्प से लेकर बालों में अच्छी तरह लगाएं। 4-5 घंटे बाद धो लें। यह दोनों ही बालों के लिए जरूरी पोषण और एंटीऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होते हैं। बालों के रोम को पोषण प्रदान करते हैं और जल्दी बाल बढ़ाते हैं।

मेहंदी में अंडा मिलाकर लगाएं

आप सप्ताह में 1-2 बार मेंहदी में 1 अंडा मिलाकर बालों में अप्लाई कर सकते हैं। अंडे में प्रोटीन होता है जो बालों के विकास के लिए बहुत जरूरी है। वहीं मेहंदी बालों को प्राकृतिक रंग प्रदान करने और हेयर ग्रोथ बढ़ाने में बहुत लाभकारी है। आप इसमें नींबू का रस भी मिला सकते हैं, इससे भी बालों के विकास में मदद मिलेगी।

बालों में एलोवेरा लगाएं

एलोवेरा स्कैल्प को मॉइश्चराइज रखने और फंगस को साफ करने में मदद करता है। यह स्कैल्प को स्टिमुलेट करता है और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है। बालों के रोम को मजबूत बनाता है और उन्हें पोषण प्रदान करता है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर आंवला डैंड्रफ का भी रामबाण उपाय है। बालों के विकास के लिए आप सप्ताह में 2-3 बार 4-5 घंटों के लिए नारियल, जैतून या सरसों तेल में एलोवेरा जेल मिलाकर बालों में अप्लाई कर सकते हैं।

ऊंची तकिया लगाकर सोने से हो सकते हैं इन बीमारियों के शिकार

शरीर को आराम की आवश्यकता होती है। जब आप सोते हैं तो उस समय डैमेज सेल रिपेयर होते हैं, साथ ही आपकी मांसपेशियों में भी आराम मिलता है। लेकिन कई बार आपके सोने की गलत आदत आपको अनजाने में कई बीमारियों की ओर ले जाती हैं। ऊंची तकिया लगाकर सोना भी इनमें से एक आदत होती है। यदि आपको भी इस तरह की आदत के तो तुरंत अपनी आदत को बदलें। आगे जानते हैं ऊंची तकिया लगाने से आपको किन बीमारियों का जोखिम अधिक होता है।

सर्वाइकल की समस्या होना

सर्वाइकल में आपको गर्दन में तेज दर्द होता है। ऊंची तकिया लगाकर सोना इसकी एक बड़ी वजह मानी जाती है। यदि आप भी रोजाना ऊंची तकिया लगाकर सोते हैं तो आपको सर्वाइकल होने की संभावना अधिक होती है। सर्वाइकल होने पर आपको रोजाना के कार्य करने में भी परेशानी होती है। कई बार ये दर्द इतना तेज होता है कि लोगों को चक्कर आने लगते हैं।

त्वचा पर पड़ता है बुरा असर

ऊंची तकिया लगाकर सोते समय आपका रक्त संचार प्रभावित होता है। इससे सिर व चेहरे के ब्लड सर्कुलेशन में प्रोब्लम होती है। जिससे चेहरे के रोमछिद्र प्रभावित होते हैं। इस वजह से आगे चलकर लोगों को मुंहासे व एक्ने की समस्या भी हो सकती हैं।

स्लिप डिस्क की समस्या होना

ऊंची तकिया लगाकर सोने सेस्लिप डिस्कहोने की संभावना अधिक होती है। सोते समय सही तरह से न सोने से रीढ़ की हड्डी पर दबाव पड़ता है और स्लिप डिस्क की समस्या हो सकती है। इस समस्या में गर्दन, पीठ व कंधे पर दर्द होता है। स्लिप डिस्क में व्यक्ति को खड़े और चलने में भी परेशानी होने लगती है।

गर्दन व कंधों में दर्द

ऊंची तकिया लगाकर सोने से आपको रात में बार बार उठना पड़ सकता है। ऐसे में आपको गहरी नींद नहीं आती है। साथ ही आपको गर्दन व कंधों में खिंचाव की वजह से दर्द भी होने लगता है।

सोने का सही तरीका

आयुर्वेद के विशेषज्ञों के अनुसार रात को बाईं ओर करवट लेकर सोने से आपकी पाचन क्रिया दुरूस्त होती है। साथ ही आपके पेट पर दबाव नहीं बनता है, जबकि दाईं ओर करवट लेकर सोने से पाचन प्रक्रिया धीमी हो जाती है। रात के समय जिन लोगों को सीने में जलन होती है उन्हें भी बाईं करवट लेकर सोने की सलाह दी जाती है। इसके साथ ही रात को ज्यादा टाइट कपड़े नहीं पहनने चाहिए। सोते समय तकिया सॉफ्ट व गर्दन को ज्यादा ऊपर उठाने वाला नहीं होना चाहिए।

तेल में फ्राई मखाने खाने के हो सकते हैं कई नुकसान

स्वस्थ रहने के लिए डॉक्टर मखाने खाने की सलाह देते हैं। मखाने में मैग्निशियम, कैल्शियम, प्रोटीन व कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है। इसमें सोडियम और फैट कम मात्रा में होता है, इसलिए ये सेहत के लिए फायदेमंद होता है। मखाने खाने से हड्डियां मजबूत होती है और ब्लड शुगर भी कंट्रोल होती है। लेकिन कई बार लोग अपने टेस्ट के चलते इसे तेल में फ्राई करके खाने लगते हैं। ऐसा करने से आपको फायदे की जगह नुकसान होने लगता है।

ब्लड शुगर बढ़ने की संभावना : ब्लड शुगर के मरीजों को तली-भुनी चीजें नहीं खानी चाहिए। इससे व्यक्ति के शरीर में शुगर का स्तर बढ़ जाता है। यदि आप तेल में तल कर मखाना खाते हैं ऐसा न करें। शुगर के मरीजों को पाचन क्रिया संबंधी समस्या जैसे कब्ज आदि की परेशानी होती है। तली हुई चीजों से पाचन क्रिया भी प्रभावित होती है।

वजन तेजी से बढ़ना : शरीर के वजन को कम करने के लिए आप अपनी डाइट में मखाना शामिल कर सकते हैं। यदि आप मखाने खाते हैं तो ध्यान दें कि इसे बिना तले ही खाएं।

त्वचा पर होता है बुरा असर : तैलीय आहार त्वचा पर बुरा असर डालते हैं। जिन लोगों को त्वचा तैलीय हैं उनको तेल में तले मखाने खाने से बचना चाहिए। क्योंकि इसके सेवन से कील मुंहासों की समस्या हो सकती है। कई तरह के तेल पाचन क्रिया को खराब करते हैं जिसकी वजह से भी आपको त्वचा पर कई तरह की समस्याएं देखने को मिलती है।

पाचन क्रिया को करता है प्रभावित : पाचन क्रिया सही होने से व्यक्ति को भोजन से पर्याप्त पोषण मिलता है। यदि व्यक्ति की पाचन क्रिया प्रभावित है तो उसको कब्ज, गैस व पेट का फूलना आदि समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

चेहरे को ग्लोइंग बनाने के लिए लगाएं नारियल के दूध के ये फेस पैक

नारियल पानी के फायदे के बारे में, तो आपने कई बार सुना होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नारियल का दूध भी स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता हैं। नारियल का दूध नैचुरल होने के साथ चेहरे की कई कई परेशानियों को आसानी से दूर करता हैं। कई लोग स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए कई तरह की चीजों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कई बार ये चीजें स्किन को सूट नहीं करती। वहीं नारियल के दूध नैचुरल होने के कारण हर किसी स्किन टाइप पर सूट हो जाता हैं। नारियल के दूध के फेस पैक स्किन को ग्लोइंग बनाने के साथ चेहरे की रंगत को भी निखारता है। ये फेस पैक घर पर आसानी से बनाए जा सकते हैं।

नारियल का दूध और टमाटर का फेस पैक

सामग्री :
- 1 टमाटर रस
- 2 चम्मच नारियल का दूध

फेस पैक बनाने का तरीका

नारियल का दूध और टमाटर का फेस पैक बनाने के लिए टमाटर को मिक्सी में पीस लें। अब इसमें नारियल का दूध मिलाकर गाढ़ा मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को फेस पर 15 से 20 मिनट तक लगा के रखें। उसके बाद नॉर्मल पानी से वॉश करें। ये पैक स्किन की रंगत को निखारने के साथ टैनिंग को हटाने में भी मदद करता है।

बादाम और नारियल का दूध फेस पैक

सामग्री :
- 5 बादाम
- 1 चम्मच शहद
- 2 चम्मच नारियल का दूध

फेस पैक बनाने का तरीका

बादाम और नारियल का दूध फेस पैक बनाने के लिए बादाम को रातभर के लिए भिगो दें और इनका पेस्ट बनाएं। अब इस पेस्ट में शहद और नारियल दूध को मिलाकर गाढ़ा मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को चेहरे और गर्दन पर 10 से 15 मिनट के लिए लगा के रखें। उसके बाद नॉर्मल पानी से चेहरे को वॉश करें। ये फेस पैक चेहरे को ग्लोइंग बनाने के साथ दाग-धब्बों को भी कम करने में मदद करता हैं।

ओट्स और नारियल के दूध का फेस पैक

सामग्री :
- 1 चम्मच ओट्स
- 2 से 3 चम्मच नारियल का दूध

फेस पैक बनाने का तरीका

ओट्स और नारियल के दूध का फेस पैक बनाने के लिए ओट्स का पाउडर बना लें। अब इस पाउडर में नारियल का दूध मिलाकर गाढ़ा मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को चेहरे पर 5 से 10 मिनट तक लगा के रखें। उसके बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से वॉश करें। ये पैक स्किन की अंदरूनी सफाई करके स्किन को ग्लोइंग बनाने में मदद करेगा।

चेहरे पर नैचुरल निखार के लिए लगाएं तुलसी पाउडर के ये फेस पैक

तुलसी सेहत के लिए वरदान होती है। ये शरीर की कई समस्याओं को दूर करने के साथ शरीर को हेल्दी रखने में मदद करती हैं। तुलसी के पत्तों के साथ तुलसी का पाउडर भी उतना भी फायदेमंद होता है। तुलसी का पाउडर सेहत का ख्याल रखने के साथ चेहरे को भी ग्लोइंग बनाने में मदद करता हैं। तुलसी का पाउडर को चेहरे पर लगाने से चेहरे पर नैचुरल निखार आता है। तुलसी के पाउडर में एंटीबैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, ये पिंपल्स को दूर करने के साथ झाइयों को भी दूर करने में मदद करता हैं। तुलसी के पाउडर का फेस पैक घर पर आसानी से बनाया जा सकता हैं।

तुलसी पाउडर और बेसन का फेस पैक

सामग्री :
- 1 चम्मच तुलसी का पाउडर
- 1 चम्मच बेसन
- 2 से 3 चम्मच गुलाबजल

पैक बनाने की विधि

इस पैक को बनाने के लिए तीनों सामग्री को कटोरी में मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर 10 से 15 मिनट के लिए लगा के रखें। उसके बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से वॉश कर लें। ये पैक पिंपल्स को दूर करने के साथ चेहरे के दाग-धब्बों को दूर करने में मदद करता हैं। ये पैक चेहरे से एक्सट्रा ऑयल हटाकर स्किन को ग्लोइंग बनाने में मदद करता हैं।

तुलसी पाउडर और शहद का फेस पैक

सामग्री :
- 1 चम्मच तुलसी का पाउडर
- 1 चम्मच शहद

पैक बनाने की विधि

इस पैक को बनाने के लिए तुलसी के पाउडर और शहद को मिलाकर मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को चेहरे पर 5 से 10 मिनट के लिए लगा के रखें। उसके बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से वॉश करें। ये पैक चेहरे को ग्लोइंग बनाने के साथ एक्ने को दूर करने में मदद करता हैं।

तुलसी पाउडर और हल्दी का फेस पैक

सामग्री :
- 1 चम्मच तुलसी का पाउडर
- 1/2 हल्दी का पाउडर
- 2 से 3 चम्मच गुलाब जल

पैक बनाने की विधि

इस पैक को बनाने के लिए सभी सामग्री को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर अच्छे से लगा लें। पैक को 10 से 15 मिनट के बाद वॉश करें। ये पैक चेहरे से दाग-धब्बों को हटाने के साथ स्किन को ग्लोइंग बनाने में मदद करेगा। इस पैक को हफ्ते में एक बार लगाया जा सकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोगी कार्य हो और ग्रामीणों को मिले बेहतरीन सुविधाओं का लाभ : सुराणा

निसं

चूरू (नवयत्न)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने बुधवार को जिला परिषद सभागार में ग्रामीण विकास व पंचायतीराज विभाग की समीक्षा बैठक में विकास कार्यों व योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को विस्तृत निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं के विकास पर फोकस करें। विकास अधिकारी तथा उनकी टीम अपनी क्षमताओं का विस्तार करें और प्रयास करें कि ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोगी कार्य हो और ग्रामीणों को बेहतरीन सुविधाओं का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय विशेषताओं व आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों का चुनाव कर स्वीकृत करें। महानरेगा तथा वित्त आयोग के प्रारंभ नहीं होने वाले कार्यों को प्रारंभ करें तथा प्रक्रियाधीन कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करें। महानरेगा में अपूर्ण कार्यों की स्थिति, लेबर डेप्लॉयमेंट पर चर्चा करते हुए कहा कि लेबर इंगेज करें तथा कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करें। उन्होंने समयबद्ध भुगतान, एवरेज वेज रेट बढ़ाने, अपूर्ण कार्यों को पूर्ण करवाने, पोर्टल पर समुचित व सही डाटा एन्ट्री करने को लेकर निर्देश दिए। उन्होंने नर्सरी विकास कार्य को लेकर कहा कि राजीविका की सहयोग से नर्सरियों का विकास व मेंटेंन किया जाए तथा मृत पौधों के स्थान पर नवीन पौधरोपण किया जाए। उन्होंने बजट घोषणा के लक्ष्य विरुद्ध आंगनबाड़ी केन्द्रों की प्रगति, रिचार्ज शाफ्ट, निजी कुंड, कैटल शेड के प्रस्ताव, एक पंचायत - एक खेल अंतर्गत खेल मैदान विकसित करने के कार्य तथा माइक्रो लेवल मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। इसी के साथ पीएम आवास योजना में गैप को कम करने, एरिया ऑफिसर प्रगति, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना, 17 व 18 वीं लोकसभा में स्वीकृत व लंबित कार्य, विधायक व सांसद निधि के अपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने व बकाया यूसी/सीसी भिजवाने, मानसून के दौरान क्षतिग्रस्त भवनों के मरम्मत कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करने तथा महानरेगा व अन्य योजनाओं के कन्वर्जेंस से बेहतरीन कार्य करवाने, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान में फोटो अपडेट करने, अटल ज्ञान केंद्र, रिचार्ज शाफ्ट व ओपन जिम के कार्य पूरे करने, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.1 और 2.2 के कार्य पूरे करने, व्यक्तिगत शौचालय का असेसमेंट करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने व्यक्तिगत शौचालयों का सर्वे तथा पात्र व वंचित व्यक्तियों को लाभान्विति करने, सीएससी निर्माण किए जाने, मैजिक पिट, आरआरसी प्रोग्रेस और संपर्क पोर्टल को लेकर निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने नवनियुक्त कनिष्ठ अभियंताओं के कार्य तथा प्रशिक्षण के संबंध में चर्चा की। सीईओ श्वेता कोचर ने विजुअल क्लीनलीनेस पर चर्चा करते हुए घर-घर की तरह कचरा संग्रहण, ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था के प्रबंधन, अपूर्ण कार्यों, नर्सरी और आईएचएल आदि को लेकर समुचित दिशा- निर्देश दिए। एसीईओ दुर्गा ढाका ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सहित बिन्दुओं पर चर्चा की।

इस दौरान सभी विकास अधिकारी, जिला परिषद स्टाफ, सहायक व कनिष्ठ अभियंता, जेटीए आदि मौजूद रहे।

वर्धमान स्कूल में खेल प्रतियोगिताओं की रही धूम

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। वर्धमान विद्या विहार में 6 से 10 जनवरी 2026 तक खेल सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष दीपक संगही ने बताया कि इस खेल सप्ताह के दूसरे दिन विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगितायों का आयोजन किया गया। जिनमे भाग लेकर बच्चों ने खेलों के प्रति रुचि एवं अपनी प्रतिभा दिखाई। संस्था सचिव संजय संगही ने बताया कि दूसरे दिन बच्चों हेतु खो-खो, 100 मीटर, थ्री-लेग रेस, बाधा दौड़, कबड्डी, रस्सा-कस्सी के साथ-साथ अन्य कई खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। संस्था के सह-सचिव रितेश रारा ने बताया कि खेल सप्ताह के समापन समारोह में मुख्य अतिथि मुकुल यादव क्रिकेटर एवं विकेट कीपर आईपीएल लखनऊ जायंट, राव आनंद कुमार डीएसपी खाटूश्यामजी, सुभाष जोशी सेकेट्री सीकर जिला क्रिकेट एसोसिएशन तथा आलोक सेठी समाजसेवी रहेंगे। इस अवसर पर संस्था उपाध्यक्ष आशीष जयपुरिया, सदस्यगण सुनील पहाड़िया, प्रियंक गंगवाल एवं मनोज जैन उपस्थित रहे।

251 कलशों की कलश यात्रा निकाली

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। तहसील के ग्राम हरदेसर में 9 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ की आयोजित कलश यात्रा में 251 कलशों की कलश यात्रा निकाली गई। माताजी के मंदिर में गायत्री परिवार की ओर से 6 से 8 जनवरी तक श्रीमद् पावन प्रज्ञा पुराण कथा भी रखी गई है। प्रान्तीय प्रचारक गोपाल स्वामी, दर्शन पालीवाल, परमेश्वर लाल, बीरमसिंह की टोली का यह इस वर्ष का द्वितीय आयोजन है। पुष्कर प्रान्तीय मुख्यालय से इस वर्ष 108 कार्यक्रम होंगे। संयोजक महावीर प्रसाद सांखोलिया एवं मुख्य यजमान मांगीलाल प्रजापत, सोहनलाल खटोड़, जगदीशप्रसाद टाक, पवनकुमार महर्षि ने व्यवस्थाएं संभाल ली।

शीत लहर से बचाव के लिए जरूरतमंदों तक पहुंची गरमाहट

मुहम्मद सादिक

सीकर (नवयत्न)। ठंड से राहत पहुंचाने के लिए भारत विकास परिषद, सीकर शाखा द्वारा शीत सेवा प्रकल्प के तहत गरीब एवं वंचित समुदाय के लोगों के बीच 280 कंबल एवं शाल वितरित किए गए। यह वितरण 5 से 7 जनवरी के बीच शहर के विभिन्न क्षेत्रों में किया गया। परिषद के आईटी एवं मीडिया संयोजक सुदीप गोयल ने बताया कि इस अभियान के तहत सालासर रोड स्वामी बस्ती, जगमालपुरा रेलवे फाटक, मोचीवाड़ा और नायकों का मोहल्ला सहित अन्य स्थानों पर जरूरतमंद परिवारों को ठंड से बचाव का सामान उपलब्ध कराया गया। यह पहल राजेंद्र अग्रवाल टोडा वाले के सहयोग से संपन्न हुई। इस दौरान जिला समन्वयक जीएल शर्मा, प्रकल्प प्रमुख राजेंद्र अग्रवाल, मीना अग्रवाल, सुमन गुप्ता, कमल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शुभम मोदी, सुरेश अग्रवाल, एडवोकेट नरेश बगड़िया, एडवोकेट जितेंद्र शर्मा, डॉ एचएस बगड़िया व दिनेश सोनी सहित परिषद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सचिव सीए अभिषेक सोनी ने कहा कि संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा व समर्पण इन पंच तत्वों के माध्यम से ही परिषद का विकसित भारत का स्वप्न साकार हो सकता है। उन्होंने ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने पर बल दिया।

पिलानी में राजस्थान का दूसरा नेक्स्ट जनरेशन पोस्ट ऑफिस शुरू

बाबूलाल शर्मा

झुंझुनू (नवयत्न)। बिट्स पिलानी परिसर में नेक्स्ट जनरेशन पोस्ट ऑफिस का बुधवार को शुभारम्भ कर्नल सुशील कुमार, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल राजस्थान परिमंडल जयपुर एवं वी. रामगोपाल राव, वाइस चांसलर बीआईटीएस पिलानी द्वारा किया गया। यह राजस्थान का दूसरा नेक्स्ट जनरेशन पोस्ट ऑफिस है, जिसे विशेष रूप से स्टूडेंट एवं नेक्स्ट जनरेशन फ्रेंडली स्वरूप में विकसित किया गया है। राजस्थान का पहला नेक्स्ट जेनरेशन पोस्ट ऑफिस आईआईटी जोधपुर में संचालित है। डाकघर परिसर को आकर्षक बनाने के लिए बिट्स पिलानी एवं बिरला बालिका विद्यापीठ के छात्र-छात्राओं द्वारा सुंदर पेंटिंग्स की गई। जिससे विद्यार्थियों का डाकघर से जुड़ाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। मुख्य पोस्टमास्टर कर्नल सुशील कुमार ने बताया कि यह आधुनिक पोस्ट ऑफिस भारतीय डाक विभाग की नई पीढ़ी को डाक सेवाओं से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण पहल है। वहीं वाइस चांसलर वी. रामगोपाल राव ने डाक विभाग की स्मृतियों को साझा करते हुए बिट्स पिलानी पोस्ट ऑफिस को राजस्थान के दूसरे नेक्स्ट जनरेशन डाकघर के रूप में चयनित करने पर आभार व्यक्त किया। अधीक्षक डाकघर झुंझुनू धर्मपाल ढाका ने बताया कि नेक्स्ट जनरेशन पोस्ट ऑफिस में उन्नत डिजिटल सुविधाएँ, स्वचालित काउंटर प्रणाली, तेज व पारदर्शी सेवा, आधुनिक इंटीरियर, कोजी सेटिंग अरेंजमेंट एवं ग्राहक-अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। यहां डाक, पार्सल, स्पीड पोस्ट, बचत योजनाएं, बीमा एवं अन्य डाक सेवाएं अधिक प्रभावी एवं सुगमता से प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह पोस्ट ऑफिस पिलानी क्षेत्र के नागरिकों को समयबद्ध, सुरक्षित और विश्वसनीय सेवाएं प्रदान करेगा, जिससे डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीणशहरी दोनों क्षेत्रों के ग्राहकों को बेहतर अनुभव मिलेगा। यह पहल पिलानी के सामाजिक व आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर डॉ सुधीर कुमार निदेशक बिट्स, डॉ एनवी मुरलीधर, प्रो अजित प्रताप सिंह, कर्नल सोम्यव्रता चक्रबर्ती, प्रो. निर्वाण, डॉ अचला वर्मा, डॉ अर्चना वर्मा सहित डाक विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी एवं आमजन उपस्थित रहे।

सरकारी दफ्तरों के लेट लतीफ अधिकारी-कर्मचारी

एसडीएम निरीक्षण के दौरान खुली पोल

निसं

लाडनूं (नवयत्न)। सरकारी दफ्तरों के अधिकारी-कर्मचारी लेट लतीफी का शिकार हैं। बुधवार को एसडीएम के औचक निरीक्षण में लेट लतीफ कर्मचारियों की पोल खुली। उपखण्ड अधिकारी मीनू वर्मा द्वारा करीब दस बजे उपखण्ड क्षेत्र के सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारी गायब मिले जिन्हें नोटिस देकर जवाब तलब किया गया है। एसडीएम मीनू वर्मा ने बताया कि पंचायत समिति, राजकीय उप जिला चिकित्सालय, तहसील कार्यालय, पशु चिकित्सालय का निरिक्षण किया गया। दौराने निरीक्षण पंचायत समिति विकास अधिकारी कुमुद सोलंकी के कक्ष पर ताला लटका मिला। इसके अलावा अन्य 8 कर्मचारी भी अनुपस्थित पाए गए। इसी प्रकार तहसील कार्यालय के निरीक्षण में 3 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। इसके अलावा डीओआईटी कार्यालय, पशु चिकित्सालय के कर्मचारी भी ड्यूटी समय पर अनुपस्थित पाये गये। बिना पूर्व सूचना एवं सक्षम स्वीकृति के अनुपस्थित पाए गए समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। साथ ही भविष्य में कार्यालय समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने एवं राजकीय कार्यों के प्रति अनुशासन बनाए रखने के लिए पाबंद किया है। आगे इस प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर एसडीएम ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है।

जिला कलेक्टर ने किया छतरी का अवलोकन

निसं

डूंडलोद (नवयत्न)। जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ने श्रीराम चंद्र गोयनका चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बनी 150 वर्ष पुरानी हेरिटेज छतरी का अवलोकन किया। कलेक्टर गर्ग ने कहा कि इन छतरियों में भारतीय संस्कृति की चित्रकला दिखाई देती है। ट्रस्ट द्वारा कुँए का जीर्णोद्वार देखकर प्रसंशा करते हुए हेरिटेज विरासत को बचाये रखने की अपील की। इस अवसर पर इंटेक दिल्ली के चेयरमैन अशोक सिंह ठाकुर, राघवेंद्र सिंह डूंडलोद, टूरिस्म विभाग के देवेंद्र सिंह, श्रुत्ति, ट्रस्ट प्रबंधक प्रद्युम्न शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता सचिन सैनी, भीम सिंह उपस्थित रहे।

विकसित भारत जी-रामजी योजना को लेकर आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में लागू विकसित भारत जी-रामजी योजना के संबंध में लक्ष्मणगढ़ पंचायत समिति सभागार में विकास अधिकारी रोमा सहारण के नेतृत्व में एक दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में ग्राम पंचायतों के विकास अधिकारियों को योजना के उद्देश्यों एवं नवीन प्रावधानों की जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान बताया गया कि केन्द्र सरकार द्वारा विकसित भारत जी-रामजी के अंतर्गत पूर्व में नरेगा योजना में निर्धारित 100 दिवस के रोजगार को बढ़ाकर 125 दिवस किया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। विकास अधिकारी रोमा सहारण ने योजना एवं अधिनियम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए बैनर, पोस्टर एवं पम्पलेट ग्राम विकास अधिकारियों को वितरित किए तथा योजना के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में पंचायत समिति के लेखाधिकारी बलवीर ढुकिया, सहायक अभियंता वीरेन्द्र चाहर, महेश कुमार, कमल कुमार सहित समस्त ग्राम पंचायतों के विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक : सम्पर्क पोर्टल व फ्लैगशिप योजनाओं की हुई समीक्षा

जयशंकर जांगिड़

झुंझुनू (नवयत्न)। जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों की स्थिति एवं निस्तारण की प्रगति के साथ-साथ राज्य सरकार की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई। जिला कलेक्टर ने संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संवेदनशीलता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि परिवादों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक प्रकरण का फीडबैक सही ढंग से पोर्टल पर दर्ज किया जाना आवश्यक है। बैठक के दौरान राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय पर पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश भी दिए। इसके अतिरिक्त बैठक में जयपुर में आयोजित होने वाली आर्मी डे परेड में आमजन की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर भी चर्चा की गई। जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले से अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा इसके लिए प्रचार-प्रसार, पंजीकरण एवं परिवहन जैसी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से क्रियान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि आर्मी डे परेड राष्ट्र गौरव का विषय है और आमजन की सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम की गरिमा और अधिक बढ़ेगी। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य, मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव, झुंझुनू एसडीएम कौशल्या बिश्नोई, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राजपाल सिंह, जिला लेखाधिकारी डॉ सतीश खेदड़, एवीवीएनएल के अधीक्षण अभियंता एम के टीबड़ा, सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर, पीएमओ डॉ जितेंद्र भांबू, नगर परिषद आयुक्त देवीलाल, महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्यौला, प्रशासनिक सुधार विभाग की सहायक निदेशक सृष्टि, एपीआरओ विकास चाहर, महिला एवं बाल विकास के उपनिदेशक बृजेंद्र राठौड़, समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ पवन पूनिया, जिला रसद अधिकारी डॉ निकिता राठौड़, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ राजेंद्र सिंह लांबा, उद्यान विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ विजयपाल कस्वा, डीईओ प्रारंभिक संतोष सोहू, पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक देवेंद्र चौधरी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नेहा झाझड़िया, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक अभिषेक चौपदार, जिला खेल अधिकारी राजेश ओला सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

निर्माणाधीन सीसी रोड सीमा में आ रहे पोल शिफ्ट करवाने की मांग

निसं

चिड़ासन (नवयत्न)। क्षेत्र के चनाना गांव में चिड़ावा रोड पर निर्माणाधीन सड़क के सीमा में आ रहे बिजली के पोल को शिफ्ट करवाने की मांग की जा रही है। नरेश कुल्हरी ने बताया की कुलहरी हीरो होंडा सर्विस स्टेशन चिड़ावा सीसी रोड़ निर्माणाधीन है । सर्विस स्टेशन के सामने एक विद्युत पोल का बिजली का पोल सड़क सीमा में आ रहा है। जिससे हर समय हादसे की आशंका बनी रहती है बिजली का पोल बीच में आने से सड़क का कार्य पूर्ण नहीं हो पा रहा। उन्होंने बताया कि संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्या से अवगत करवाया जा चुका है। मगर ध्यान नहीं दिया जा रहा। ग्रामीण किशोरलाल, नाहर सिंह श्रीसरदारपुरा, सुरेंद्र मेघवाल, बनवारी गाड़िया लोहार, राजेंद्र मेघवाल, हरिश्चंद्र कुमावत आदि ने शिफ्ट करने की मांग की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190